



संक्षिप्त

समाचार

तृतीय दिन

मां चंद्रघंटा

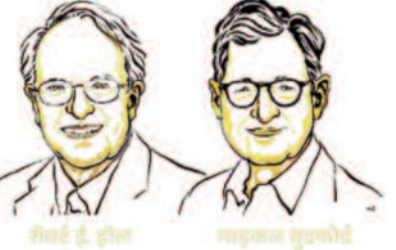


मा चंद्रघंटा के मस्तक पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र सुशोभित रहता है। वे साहस, शौर्य और दुष्ट शक्तियों के विनाश का प्रतीक है। सिंह पर सवार देवी की आराधना से भय और नकारात्मकता दूर होने की मान्यता है। भक्त सुख, शांति और निर्भय जीवन के लिए इनकी पूजा करते हैं।

2026 का इकोनॉमिक्स नोबेल 2 अमेरिकी अर्थशास्त्रियों को

● रॉबर्ट हॉल और माइकल तुडफोर्ड ने बताया मंदी और महंगाई से कैसे निपटें

स्टाकहोम (एजेंसी)। 2026 का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार अमेरिकी अर्थशास्त्रियों रॉबर्ट ई. हॉल और माइकल तुडफोर्ड को मिला है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सोमवार को को इसकी घोषणा की। दोनों को यह सम्मान अर्थव्यवस्था में मंदी और तेजी के उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए आर्थिक नीतियों के नए आधार विकसित करने पर दिया जाएगा। उनकी रिसर्च से समझने में मदद मिली



कि आम लोगों के खर्च और कंपनियों के फैसले पूरी अर्थव्यवस्था को कैसे प्रभावित करते हैं। दोनों को कुल 1.2 करोड़ स्वीडिश क्रोनार यानी 11.5 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि बराबर मिलेगी। 1970 के दशक में आर्थिक संकट के दौरान एफ मांडल की जरूरत पड़ी अर्थशास्त्री जॉन मेनार्ड कीन्स ने करीब 100 साल पहले सुझाव दिया था कि मंदी के समय सरकार को खर्च बढ़ाना चाहिए और केन्द्रीय बैंक को ब्याज दरें घटानी चाहिए। इससे कारोबार और लोगों के खर्च को बढ़ावा मिल सकता है। वहीं, महंगाई बहुत बढ़ने पर ब्याज दरें बढ़ाकर और खर्च पर लगाम लगाकर मांग कम की जा सकती है। लेकिन 1970 के दशक में तेल संकट के दौरान पश्चिमी देशों में महंगाई और बेरोजगारी एक साथ बढ़ गई। आर्थिक विकास भी धीमा पड़ गया।

जंतर-मंतर पर अब नहीं होंगे प्रदर्शन, 33 साल बाद बदलाव

सीजेपी ने यहीं 36 दिन

धरना दिया था, धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर अब प्रदर्शन नहीं हो सकेंगे। केंद्र सरकार ने इसे निर्धारित प्रदर्शन स्थल की लिस्ट से 33 साल बाद हटा दिया है। गृह मंत्रालय ने एक कमेटी बनाई थी। इसकी सिफारिश पर दिल्ली का रामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और पूर्वी दिल्ली का ग्राउंड प्रदर्शन स्थल बनाए गए हैं। कॉकरोच जनता पार्टी ने सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर पर रोक की



मांग को लेकर सोमवार को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की परमिशन मांगी थी। पुलिस ने परमिशन देने से इनकार कर दिया। इससे पहले सीजेपी ने 20 जून से 25 जुलाई तक नीट पेपर लीक के मुद्दे पर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के लिए प्रदर्शन किया था। 36 दिन तक चले इस प्रदर्शन के दौरान एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी भूख हड़ताल पर बैठे थे। 25 जुलाई को प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रदर्शन खत्म हो गया था। गृह मंत्रालय ने कमेटी बनाई थी- गृह मंत्रालय ने विरोध-प्रदर्शन और धरना आयोजित करने के लिए वैकल्पिक स्थानों की पहचान करने के उद्देश्य से एक कमेटी बनाई थी। समिति की सिफारिशों के बाद इन तीनों स्थानों को प्रदर्शन के लिए निर्धारित किया गया है।

धामी कैबिनेट की बैठक सम्पन्न, 13 प्रस्तावों पर लगी मुहर

हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हरिद्वार में आयोजित उत्तराखंड मंत्रिमंडल की बैठक समाप्त हो गई है। बैठक में कुल 13 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई। कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री के अपर सचिव बंशीधर तिवारी ने मीडिया को बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों की जानकारी दी। बैठक में भर्ती व्यवस्था, अग्निशमन सेवाओं, बाढ़ निवृत्तण, पर्यटन, आयुर्वेद, सांस्कृतिक विकास और वीर बालकों को सम्मानित करने से जुड़े विषयों पर अहम फैसले लिए गए। सरकार के इन निर्णयों को प्रदेश में प्रशासनिक व्यवस्था को बेहतर बनाने, रोजगार के अवसरों को प्रोत्साहित करने और विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अग्निवीरों को समूह ग की भर्तियों में 10 प्रतिशत आरक्षण

कैबिनेट के प्रमुख फैसलों में समूह ङगह ग की भर्तियों में अग्निवीरों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान शामिल है। इस निर्णय से सैन्य सेवा पूरी करने के बाद प्रदेश में रोजगार के अवसर तलाशने वाले अग्निवीरों को लाभ मिलने की उम्मीद है। हालांकि, आरक्षण को पात्रता, लागू होने की प्रक्रिया और अन्य शर्तों का विस्तृत विवरण



संबंधित शासनादेश से स्पष्ट होगा।

उत्तराखंड बाढ़ मैदान परिक्षेत्र अधिनियम—2026 को मंजूरी

सिंचाई विभाग से संबंधित उत्तराखंड बाढ़ मैदान परिक्षेत्र अधिनियम—2026 को भी कैबिनेट की मंजूरी मिली है। बाढ़ के जोखिम वाले क्षेत्रों के नियमन और बाढ़ मैदानों के बेहतर प्रबंधन के लिहाज से यह निर्णय महत्वपूर्ण है।

अधिनियम के निम्नान्वयन से संबंधित विस्तृत प्रावधानों की जानकारी आधिकारिक अधिसूचना के बाद स्पष्ट होगी।

विधानसभा सत्र के लिए मुख्यमंत्री अधिकृत

कैबिनेट ने विधानसभा सत्र के आयोजन से संबंधित स्थान और समय निर्धारित करने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को अधिकृत किया है। इससे सत्र की तिथि, समय और स्थान तय करने की प्रक्रिया में सरकार को आवश्यक निर्णय लेने का अधिकार मिलेगा।

फायर सर्विस के मानकों में बदलाव फायर सर्विस से जुड़े मानकों में केंद्र सरकार के मानकों के अनुरूप बदलाव करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। इसका उद्देश्य अग्निशमन सेवाओं की व्यवस्था को निर्धारित मानकों के अनुरूप बनाना और संबंधित प्रक्रियाओं में आवश्यक सुधार करना है।

पर्यटन, आयुर्वेद और सांस्कृतिक विकास पर जोर

बैठक में पर्यटन विभाग और आयुर्वेद विभाग से जुड़े विषयों के साथ योग तथा सांस्कृतिक विकास से संबंधित प्रस्तावों पर भी विचार करते हुए मंजूरी दी गई। इन फैसलों से प्रदेश में पर्यटन गतिविधियां, योग एवं आयुर्वेद आधारित पहलों और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने की दिशा में काम आगे बढ़ने की उम्मीद है।

वीर बालकों को मिलेगा मुख्यमंत्री

राज्य बाल वीरता पुरस्कार

कैबिनेट ने मुख्यमंत्री राज्य बाल वीरता योजना के तहत उत्तराखंड के वीर बालकों को पुरस्कार देने से संबंधित प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। इस पहल का उद्देश्य साहस, बहादुरी और असाधारण कार्य करने वाले बच्चों को सम्मानित करना तथा अन्य बच्चों को भी प्रेरित करना है।

13 प्रस्तावों पर हुए फैसले

धामी कैबिनेट की इस बैठक में कुल 13 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। सामने आई जानकारी के अनुसार, अग्निवीरों के लिए आरक्षण, बाढ़ मैदानों के नियमन, विधानसभा सत्र की व्यवस्था, फायर सर्विस के मानकों और बाल वीरता पुरस्कार से जुड़े निर्णय प्रमुख रहे। पर्यटन, आयुर्वेद और सांस्कृतिक विकास से संबंधित विषय भी बैठक के एजेंडे में शामिल रहे।

मेघालय बॉर्डर से

देश में घुसे 18 बांग्लादेशी

- ट्रेन में सवार होने का मिला इनपुट, जांच हुई शुरू
- बिहार और यूपी समेत कई राज्यों में अलर्ट जारी

शिलांग (एजेंसी)।

उत्तर पूर्व का राज्य मेघालय सामरिक रूप से भी बहुत महत्वपूर्ण है। बांग्लादेश की सीमा मेघालय से मिलती है। मेघालय के डाउकी बॉर्डर के बाद बांग्लादेश का सिलहट जिला शुरू हो जाता है। खुफिया इनपुट मिली है कि मेघालय सीमा पार कर 18 संदिग्ध बांग्लादेशी घुसपैठिये भारत में घुसे और अब अन्य राज्यों में फैलने की कोशिश कर रहे हैं। खुफिया इनपुट है कि ये घुसपैठिये मेघालय में प्रवेश कर नजदीक के गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पहुंचे। फिर वहां से लंबी दूरी की ट्रेन पकड़ कर अलग-अलग राज्यों में जाने की कोशिश की।



इस इनपुट के बाद पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर ने बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड और मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालयों को श्रेट एडवाइजरी जारी की है। घुसपैठियों में से 10 डाउकी बॉर्डर से घुसे हैं।

- प्राकृतिक सौंदर्य से भरा लाइटलूम- शिलांग से करीब 25 किलोमीटर दूर एक बहुत ही मनोरम स्थान है, लाइटलूम कैन्सन। लाइटलूम कैन्सन मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले में आता है। पूर्वी खासी हिल्स जिले का मुख्यालय शिलांग ही है जो राज्य की राजधानी भी है। लाइटलूम- खासी भाषा के दो शब्दों से बना है, लाइट और लूम। लाइट का मतलब के अंत और लूम का मतलब है पहाड़ी।

गुवाहाटी से अमरनाथ एक्सप्रेस पकड़ने की सूचना

खुफिया इनपुट है कि ये घुसपैठिये मेघालय में प्रवेश कर नजदीक के गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पहुंचे। फिर वहां से लंबी दूरी की ट्रेन पकड़ कर अलग-अलग राज्यों में जाने की कोशिश की। इस इनपुट के बाद पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर ने बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड और मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालयों को श्रेट एडवाइजरी जारी की है। इनपुट के मुताबिक इन 18 बांग्लादेशी घुसपैठियों में से 10 डाउकी बॉर्डर से और 8 मीसिनराम (मेघालय) सीमा से मेघालय पहुंचे थे। सूचना के मुताबिक मेघालय के मीसिनराम सीमा से भारत में घुसे 8 बांग्लादेशी घुसपैठिये गुवाहाटी पहुंचे और वहां से जम्मूतवी-अमरनाथ एक्सप्रेस में सवार हो गए। इनके खिलाफ जांच अभियान चलने के लिए अलर्ट जारी कर दिया गया है।

महाराष्ट्र पीएससी पेपर लीक की जांच के लिए बनी कमेटी

- तुकाराम मुंढे सेक्रेटरी नियुक्त, चेयरमैन छुट्टी पर भेजे गए



पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य लोक सेवा आयोग में सुधार के लिए

रविवार को एक कमेटी बनाई। इसमें फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कमिश्नर तुकाराम मुंढे को सदस्य सचिव बनाया गया है। इसके बाद कैंडिडेट्स ने 10 दिन से चल रहा प्रदर्शन खत्म कर दिया। राज्य के मंत्री शिवेंद्रराजे भोसले ने पुणे में प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों को कमेटी बनाने की जानकारी दी। कमेटी के अध्यक्ष पूर्व जज दिलीप भोसले होंगे। इसमें आईपीएस अधिकारी लक्ष्मी गौतम शामिल हैं।

पीएससी के अध्यक्ष जांच पूरी होने तक छुट्टी पर गए

मंत्रों ने प्रदर्शनकारियों की अन्य मांगों भी पूरी करने का भरोसा दिया। इनमें आंदोलन से जुड़े कुछ लोगों पर दर्ज केस वापस लेना, तीन साल में 70 हजार पदों पर भर्ती करना, जनवरी में होने वाली गुप-सी परीक्षा में सीटें बढ़ाना और पीएससी के अध्यक्ष व सचिव की नियुक्ति से पहले उनके बैकग्राउंड की जांच करना शामिल है। इसके बाद भीमनवार ने छुट्टी पर जाने का ऐलान किया।

आईआईटी बॉम्बे ने बनाया, केरलम में शुरुआत, इससे बिजली बिल में 30 फीसदी की कमी आई

देश में पहली बार इलेक्ट्रिक व्हीकल से बिजली सप्लाई होगी

मुंबई (एजेंसी)।

अब इलेक्ट्रिक व्हीकल यानी ईवी से यात्रा करने के साथ उसकी बैटरी का इस्तेमाल घर में बिजली सप्लाई करने के लिए भी कर सकते हैं। बॉम्बे की ग्रिड इंटीग्रेशन लैब ने आईआईटी कैंपस में तीन साल तक प्रयोग किए। इस दौरान दिन में इलेक्ट्रिक कार सोलर पैनल से चार्ज होती और रात में एक प्रोफेसर के घर में बिजली सप्लाई करती। इसने घर के



सभी उपकरणों का लोड उठाया और प्रोफेसर के बिजली बिल में करीब 30 फीसदी की कमी भी आई। ईवी की बैटरी से घर में बिजली सप्लाई करने को

व्हीकल टू होम और वापस ग्रिड को बिजली भेजने को व्हीकल टू ग्रिड कहते हैं। आईआईटी बॉम्बे ने देश में पहली बार यह प्रोजेक्ट बनाया।

ईवी से घर में बिजली देने पर बैटरी लाइफ पर असर नहीं पड़ा

आईआईटी बॉम्बे ग्रिड इंटीग्रेशन लैब के प्रो जाकिर हुसैन राथर ने कहा कि ईवी से घर की लाइट लगातार सप्लाई के बाद भी बैटरी लाइफ पर खास फर्क नहीं पड़ा। बैटरी लाइफ को एसओएच से मापते हैं। नई बैटरी का एसओएच 100 फीसदी होता है। दो साल बाद एसओएच में 1.5 फीसदी की ही गिरावट आई। प्रो. जाकिर और उनकी टीम ने इस पर और रिसर्च की और बाकी शोध में भी इसकी पुष्टि हुई। भारत में ईवी अभी वी2जी के हिसाब से तैयार नहीं की जा रही हैं। इसकी वजह रेगुलेशन न होना है। पायलट प्रोजेक्ट के लिए आईआईटी ने केरलम में ईवी की जानकारी जुटाई है। उन गाड़ियों को वी2जी के हिसाब से अनलॉक करेंगे। इसमें कुछ चीजें जोड़नी पड़ेंगी, जिसे संस्थान डेवलप कर रहा है। एक ओर देश में लोग ईवी खरीद रहे हैं, दूसरी ओर सोलर पैनल का चलन भी बढ़ा है।

बिहार के सबसे बड़े अस्पताल में सुविधाओं का विस्तार

सीएम सम्राट बोले- अब 2500 बेड पर मरीजों का इलाज

पटना (एजेंसी)।

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) के पुनर्विकास योजना के पहले चरण के तहत नवनिर्मित टावर-3 का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पीएमसीएच में अब एक साथ 2,500 बेड पर मरीजों का आधुनिक चिकित्सकीय सुविधाओं के साथ इलाज होगा। सरकार का उद्देश्य अस्पताल को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से युक्त आधुनिक चिकित्सा संस्थान के रूप में विकसित करना है। मुख्यमंत्री ने उद्घाटन के बाद नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, मरीजों के पंजीकरण, उपचार व्यवस्था तथा निर्माण कार्यों

की प्रगति की जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अस्पताल में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ सभी सुविधाओं का समुचित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए।

कियोस्क और काउंटर की व्यवस्था का जायजा- निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने टावर-3 के भूतल पर ओपीडी मरीजों के पंजीकरण के लिए बनाए गए कियोस्क और काउंटर की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अल्पाहार गृह सहित मरीजों और उनके परिजनों की सुविधा के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं की जानकारी भी प्राप्त की।

मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर-22 का भी निरीक्षण

उन्होंने छठे तल पर स्थित मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर-22 का भी निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न शल्य चिकित्सा कक्षों और स्त्री रोग से संबंधित ऑपरेशन थिएटर में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने प्रथम तल पर स्थित रेडियोलॉजी विभाग का जायजा लेते हुए चिकित्सा सेवाओं को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। सम्राट चौधरी ने अधिकारियों से कहा कि अस्पताल के विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए ताकि मरीजों के उपचार में किसी तरह की बाधा नहीं आए। उन्होंने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई, सुविधाओं के रखरखाव और मरीजों एवं उनके परिजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। साथ ही, पुनर्विकास योजना की बात की।

सीजेपी का दिल्ली पुलिस को 24 घंटे का अल्टीमेटम

- कहा-प्रदर्शन की इजाजत नहीं मिली तो फिर आंदोलन करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली पुलिस को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। उसने कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की तारीख नहीं मिली तो फिर आंदोलन करेंगे।

सीजेपी के सह-संयोजक आशुतोष रांका और सौरव दास सोमवार को प्रदर्शन की अनुमति मांगने पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन पहुंचे थे। इसी बीच, सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने हिरासत का वीडियो एडिट करके जारी किया है। उन्होंने कहा-



हिम्मत है तो पूरा वीडियो दिखाओ। दीपके के मुताबिक, दादी की मौत की खबर सुनने के बाद उन्होंने अपने चचेरे भाई से बात करने देने की अपील की। दो मिनट के लिए फोन देने के लिए भी कहा लेकिन पुलिस ने इजाजत नहीं दी। दीपके, रांका और दास को शनिवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर हिरासत में लिया गया था। वे जंतर-मंतर पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन करने जा रहे थे। रविवार को कार्यकारी मजिस्ट्रेट के सामने पेशी के बाद तीनों को रिहा किया।

संपादकीय

युवाओं की बदलती सोच

देश की राजधानी दिल्ली का जंतर-मंतर लंबे समय से जनआक्रोश, विरोध और लोकतांत्रिक आवाजों का एक प्रमुख केंद्र रहा है। यहां उठने वाली आवाजें केवल किसी एक मुद्दे या आंदोलन तक सीमित नहीं होतीं, बल्कि वे समाज की सोच, व्यवस्था के प्रति विश्वास और भविष्य की उम्मीदों को भी प्रतिबिंबित करती हैं। जंतर-मंतर पर होने वाले प्रदर्शनों को इसी नजरिए से देखने की जरूरत है। विशेष रूप से तब, जब इन प्रदर्शनों में देश के युवा अपनी नाराजगी, असहमति और अपेक्षाओं को सामने रखते हैं। आज का युवा पहले की तुलना में अधिक जागरूक है। वह अपने अधिकारों को समझना चाहता है, सवाल पूछता है और व्यवस्था से जवाबदेही की अपेक्षा करता है। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने उसे घटनाओं से जोड़ने के साथ-साथ अपनी बात सार्वजनिक रूप से रखने का मंच भी दिया है। यही कारण है कि किसी मुद्दे पर असंतोष पैदा होने पर युवा तेजी से संगठित होते हैं और अपनी आवाज सत्ता के गलियारों तक पहुंचाने का प्रयास करते हैं। क्या देश का युवा केवल विरोध करना चाहता है, या वह व्यवस्था में वास्तविक बदलाव की तलाश में भी है?लोकतंत्र में विरोध करना नागरिक का अधिकार है। असहमति को दबाने के बजाय सुनना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती का संकेत है। युवाओं को अपनी मांगें रखने, सवाल पूछने और शांतिपूर्ण ढंग से विरोध दर्ज कराने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। वहीं, प्रदर्शनकारियों से भी अपेक्षा की जाती है कि वे कानून का पालन करें और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करें। किसी प्रदर्शन में शामिल होना अपने आप में अपराध नहीं है और न ही हर असहमति को अनुशासनहीनता के रूप में देखा जा सकता है। इसी तरह, किसी प्रदर्शन के दौरान हिंसा, धमकी या अभद्रता को भी केवल आंदोलन के नाम पर उचित नहीं ठहराया जा सकता। लोकतांत्रिक अधिकारों और नागरिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। प्रदर्शन के दौरान युवाओं, विशेषकर महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार या मारपीट की शिकायत सामने आती है, तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। किसी व्यक्ति की वदी पद या राजनीतिक विचारधारा उसे कानून से ऊपर नहीं बनाती। भीतर रोजगार, शिक्षा, पारदर्शिता, समान अवसर और भविष्य की सुरक्षा को लेकर अनेक अपेक्षाएँ हैं। जब इन अपेक्षाओं और वास्तविक परिस्थितियों के बीच दूरी बढ़ती है, तो असंतोष जन्म लेता है। कई बार यही असंतोष आंदोलन का रूप ले लेता है। प्रदर्शन में ऐसे युवा भी हैं जो शोध, शिक्षा, उद्यमिता, सामाजिक सेवा और नवाचार के माध्यम से बदलाव ला रहे हैं। सवाल यह है कि विरोध के दौरान पैदा हुई ऊर्जा को रचनात्मक दिशा कैसे दी जाए। युवा पीढ़ी के सामने एक नई जिम्मेदारी है-हर वायरल सामग्री को सच मानने के बजाय उसकी पुष्टि करना। युवाओं की नाराजगी को केवल उनकी अधीरता बताकर खारिज कर देना समस्या का समाधान नहीं है। यदि किसी आंदोलन के पीछे वास्तविक शिकायतें हैं, तो संबंधित संस्थाओं को उन्हें सुनना और समयबद्ध तरीके से जवाब देना चाहिए। युवाओं को भी यह समझना होगा कि लोकतांत्रिक बदलाव केवल विरोध से नहीं, बल्कि निरंतर संवाद, संघटन, संवैधानिक प्रक्रियाओं और ठोस प्रयासों से आता है।जंतर-मंतर पर होने वाले प्रदर्शन देश की युवा पीढ़ी की सोच को समझने का एक अवसर हैं, लेकिन उन्हें संपूर्ण युवा समाज का प्रतिबिंब मान लेना उचित नहीं होगा। इन प्रदर्शनों में उठने वाली आवाजें हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करती हैं कि नई पीढ़ी व्यवस्था से क्या अपेक्षा रखती है और संस्थाएं उसकी बात सुनने के लिए कितनी तैयार हैं। लोकतंत्र की असली परीक्षा केवल इस बात में नहीं है कि लोग कितनी जोर से अपनी आवाज उठाते हैं, बल्कि इसमें भी है कि उनकी आवाज को कितनी गंभीरता से सुना जाता है और असहमति का जवाब किस तरह दिया जाता है।



कतिलाल मांडेते

लोकतंत्र में सरकार की नीतियों का विरोध करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन इस अधिकार की सार्थकता तभी बनी रहती है, जब उसके साथ संवैधानिक मर्यादाओं और कानून के प्रति सम्मान भी जुड़ा हो। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में हुए प्रदर्शन ने एक बार फिर राजनीतिक विरोध, नागरिक स्वतंत्रता और कानून-व्यवस्था के बीच संतुलन का प्रश्न खड़ा कर दिया है। दस अक्टूबर को हुए प्रदर्शन के बाद ग्यारह अक्टूबर को भी राजधानी में विरोध जारी रहा। कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं की हिरासत और रिहाई, छात्र संगठनों के मार्च, पुलिस की कार्रवाई तथा सर्वोच्च न्यायालय में हुई सुनवाई ने इस घटनाक्रम को राष्ट्रीय राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दास को दिल्ली पहुंचने के बाद हिरासत में लिए जाने और लगभग तेईस घंटे बाद रिहा किए जाने की खबर ने राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, तनों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धाराओं 126 और 170 के तहत एहतियातन हिरासत में लिया गया था। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। इसके बाद तीनों ने एक वर्ष तक शांति बनाए रखने और अच्छे व्यवहार के लिए पचास हजार रुपये का जमानती मुचलका भरा, जिसके बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। यह घटनाक्रम बताता है कि सार्वजनिक



दिलीप कुमार पाटक

मस्क साहब, हद में रहिए! व्यापार करिए, भारत के शीर्ष नेतृत्व पर राजनीति नहीं हाल ही में अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क ने मुकेश अंबानी को संबोधित करते हुए भारत के प्रधानमंत्री पद पर तंज कसा। ऊपर से देखने में यह दो बड़े कारोबारियों के बीच की सामान्य बातचीत लग सकती है, लेकिन असल में यह भारत के सर्वोच्च लोकतांत्रिक पद की गरिमा पर किया गया एक गैर-जिम्मेदाराना हमला है। जब विदेश का कोई बिजनेसमैन भारत के शीर्ष नेतृत्व को लेकर इस तरह की हल्की

जीवन में राजनीतिक सक्रियता के साथ कानूनी प्रक्रिया की जानकारी और उसका पालन भी आवश्यक है। रिहाई के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने अपने सामाजिक माध्यम खोते पर लिखा कि कॉकरोच कभी नहीं मरे। पार्टी के नेताओं ने पत्रकारों से बातचीत में हिरासत की कार्रवाई पर सवाल उठाए और सरकार तथा चुनाव आयोग को लेकर गंभीर आरोप लगाए। आशुतोष रांका ने दावा किया कि उन्हें और उनके साथियों को विमान से उतरते ही हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार चुनाव आयोग को बचाना चाहती है और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार सत्तारूढ़ दल के पक्ष में काम कर रहे हैं। ये राजनीतिक आरोप हैं, जिनकी सत्यता का निर्धारण संबंधित तथ्यों, साक्ष्यों और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्ष जांच के आधार पर होना चाहिए। किसी भी आरोप को केवल राजनीतिक बयान के आधार पर अंतिम सत्य मान लेना लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करता है। इस पूरे प्रकरण में विपक्ष की रणनीति भी महत्वपूर्ण है। मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर सड़कों पर उतरना राजनीतिक दबाव बनाने का तरीका हो सकता है, लेकिन किसी संवैधानिक पदाधिकारी का भविष्य केवल नारों और भीड़ के दबाव से तय नहीं किया जा सकता। चुनाव आयोग की निष्पक्षता, मतदाता सूची के पुनरीक्षण और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े प्रश्नों पर तथ्यपरक बहस होनी चाहिए। यदि विपक्ष को किसी प्रक्रिया में अनिश्चितता दिखाई देती है, तो उसे प्रमाणों के साथ संबंधित संवैधानिक और न्यायिक मंचों पर अपनी बात रखनी चाहिए। लोकतंत्र में सवाल पूछना जरूरी है, लेकिन सवालों के उत्तर भी प्रमाण, प्रक्रिया और कानून के आधार पर ही खोजे जाने चाहिए। यह भी ध्यान देने योग्य है कि चुनाव आयोग जैसे संवैधानिक संस्था पर उठने वाले सवाल केवल सत्ता पक्ष या विपक्ष तक सीमित नहीं रहते। उनका प्रभाव आम मतदाता के विश्वास पर पड़ता है। यदि चुनाव प्रक्रिया पर संदेह है, तो उसका समाधान पारदर्शिता, सार्वजनिक तथ्यों और निष्पक्ष परीक्षण से निकलना चाहिए। दूसरी ओर, किसी संस्था के प्रति समर्पन जताने का अर्थ यह

नहीं हो सकता कि उससे जवाबदेही के प्रश्न ही न पड़े जाएं। संवैधानिक संस्थाओं की मजबूती निष्पक्षता, स्वतंत्रता और जनता के विश्वास से आती है। इसलिए सत्ता पक्ष को भी आरोपों का उत्तर तथ्यों के साथ देना चाहिए और विपक्ष को भी अपने दावों की प्रमाणिकता सुनिश्चित करनी चाहिए। दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में दो याचिकाओं पर सुनवाई ने नागरिक अधिकारों के प्रश्न को और महत्वपूर्ण बना दिया। याचिकाओं में प्रदर्शनकारियों की हिरासत, पुलिस के कथित दुर्व्यवहार, बैरिकेडिंग और मेट्रो सेवाओं में व्यवधान जैसे मुद्दे उठाए गए। वरिष्ठ अधिकारकों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों के अधिकारों की रक्षा और लोगों की आवाजाही बहाल करने की मांग की। न्यायालय ने निर्देश दिया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत प्रतिबंधित क्षेत्रों से बाहर शांतिपूर्ण और बिना हथियार प्रदर्शन करने वालों को केवल प्रदर्शन करने के कारण हिरासत में न लिया जाए। साथ ही, कानून के अनुरूप नागरिकों की आवाजाही सुनिश्चित करने और निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने पर जोर दिया गया। ये निर्देश स्पष्ट करते हैं कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी निभाते समय नागरिक स्वतंत्रता का सम्मान भी अनिवार्य है। दिल्ली में बीस से अधिक प्राथमिकी दर्ज किए जाने की खबर और छात्र संगठनों के कार्यकर्ताओं की हिरासत ने भी प्रशासन को भूमिका पर चर्चा बढ़ाई है। पुलिस का दायित्व है कि वह हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और सरकारी कार्य में बाधा जैसी गतिविधियों पर कानून के अनुसार कार्रवाई करे। लेकिन शांतिपूर्ण प्रदर्शन और हिंसक गतिविधियों के बीच स्पष्ट अंतर करना भी उसना ही जरूरी है। किसी व्यक्ति के राजनीतिक विचार या सरकार की आलोचना मात्र को अपराध का आधार नहीं बनाया जाना चाहिए। इसी तरह प्रदर्शनकारियों को भी यह समझना होगा कि सार्वजनिक सड़कों, परिवहन सेवाओं और आम नागरिकों के दैनिक जीवन को अनिश्चितकाल तक बाधित करना उनके अधिकारों की सीमा से जुड़ा प्रश्न है।

इस विवाद का एक मानवीय पक्ष भी सामने आया, जब अभिजीत दीपके की मां ने कहा कि यदि उनके बेटे को पहले रिहा कर दिया जाता, तो वह अपनी दादी के अंतिम संस्कार में शामिल हो सकता था। परिवार की इस पीड़ा को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से अलग रखकर देखा जाना चाहिए। कानून लागू करने वाली संस्थाओं को प्रत्येक मामले में संवेदनशीलता और आवश्यक मानवीय परिस्थितियों का ध्यान रखना चाहिए। वहीं, हिरासत से जुड़े निर्णयों की वैधता का मूल्यांकन तथ्यों और लागू कानूनी प्रावधानों के आधार पर होना चाहिए। राजनीतिक आंदोलनों के पीछे विदेशी साजिश, युवाओं को पैसे देकर प्रदर्शन में लाने या सरकार को अस्थिर करने जैसे आरोप भी सार्वजनिक विमर्श में सामने आते रहते हैं। लेकिन ऐसे गंभीर दावों को प्रमाण के बिना स्वीकार करना उचित नहीं है। यदि किसी के पास धन के बदले भीड़ जुटाने, हिंसा भड़काने या विदेशी हस्तक्षेप के ठोस प्रमाण हैं, तो उन्हें जांच एजेंसियों और संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए। बिना प्रमाण पूरे आंदोलन या उसमें शामिल प्रत्येक युवा को किसी पड़यंत्र का हिस्सा बताना भी न्यायसंगत नहीं होगा। युवाओं की राजनीतिक भागीदारी लोकतंत्र का हिस्सा है, भर्तों वह शांतिपूर्ण और कानूनसममत हों। अंततः दिल्ली का यह घटनाक्रम सरकार, विपक्ष, पुलिस और प्रदर्शनकारियों सभी के लिए एक परीक्षा है। विपक्ष को अपनी बात रखने के लिए संवैधानिक रास्तों और प्रमाणों पर भरोसा करना चाहिए। सरकार तथा प्रशासन को आलोचना का उत्तर पारदर्शिता और जवाबदेही से देना चाहिए। पुलिस को कानून लागू करते समय निष्पक्षता बनाए रखनी चाहिए और प्रदर्शनकारियों को अपने अधिकारों के साथ अपने दायित्व भी याद रखने चाहिए। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में न सरकार को मनमानी की छूट है, न विपक्ष को कानून तोड़ने का अधिकार। भारत की लोकतांत्रिक शक्ति इसी संतुलन में निहित है कि असहमति को स्थान मिले, संस्थाओं की जवाबदेही बनी रहे और सार्वजनिक जीवन में कानून का शासन सर्वोपरि हो। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

वैश्विक पटल पर भारत की गरिमा और कूटनीतिक मौन का जोखिम

टिप्पणी करता है, तो बात केवल एक व्यक्ति की नहीं रह जाती। यह सीधे तौर पर हमारे देश के सम्मान और उसकी संप्रभुता से जुड़ जाती है। इस पूरे मामले के सामने आने के बाद देश में एक बहस छिड़ गई है कि क्या भारत के प्रधानमंत्री को खुद सामने आकर ऐसे बयानों का जवाब देना चाहिए? इसका सीधा और साफ जवाब है - बिल्कुल नहीं। भारत 140 करोड़ से ज्यादा आबादी वाला देश है, दुनिया की सबसे पुरानी महान सभ्यताओं में से एक है और आज एक बड़ी आर्थिक ताकत है। ऐसे देश के प्रधानमंत्री का पर बहुत जिम्मेदारी और व्यस्तता वाला होता है। उनका काम देश चलाना है, न कि किसी विदेशी बिजनेसमैन या सोशल मीडिया स्टार के तंज पर रोज सफाई देना या उनके साथ बहस में उलझना। लेकिन यहीं असली सवाल यह उठता है कि अगर प्रधानमंत्री खुद जवाब नहीं दे रहे हैं, तो क्या इसका मतलब यह है कि पूरा देश चुप बैव जाए? अंतरराष्ट्रीय राजनीति में जब आप किसी टिप्पणी पर बिल्कुल चुप रह जाते हैं, तो लोग उसे आपकी कमजोरी या सहमति मान लेते हैं। यहीं पर हमारे विदेश मंत्रालय और दूसरे मंत्रियों की बड़ी लापरवाही सामने आती है। सच यह है

कि पिछले कुछ समय से हमारा कूटनीतिक तंत्र काफी सुस्त और जरूरत से ज्यादा दबकर काम कर रहा है। चाहे अमेरिकी नेताओं के उटपटांग बयान हों या डोनाल्ड ट्रंप की बिन-मांगे दी गई सलाह - हमारा विदेश मंत्रालय हर बार संयम और मर्यादा के नाम पर चुप्पी साध लेता है या फिर बहुत ढीला-ढाला जवाब देकर पत्थला झाड़ लेता है। हद से ज्यादा संयम दिखाना भी सही नहीं होता, क्योंकि जब आप बार-बार चुप रहते हैं, तो सामने वाला आपकी शराफत को आपकी झिझक समझने लगता है। विदेश मंत्रालय की इसी हिलाली का नतीजा है कि आज एलन मस्क जैसे उद्योगपतियों की भी इतनी हिम्मत हो गई कि वे भारत के पीएम पद पर तंज कसने लगे। कूटनीति का मतलब सिर्फ बड़े-बड़े दौरों पर जाना या औपचारिक प्रेस नोट जारी करना नहीं होता। कूटनीति का असली काम देश के मान-सम्मान की रक्षा करना है। विदेश मंत्रालय और हमारे मंत्रियों को मस्क को तुरंत और सख्त लहजे में यह याद दिलाना चाहिए था कि वे सिर्फ एक बिजनेसमैन हैं, किसी देश के राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री नहीं। अपनी सीमा में रहकर बात करना ही उनके और उनके बिजनेस के लिए अच्छा है। बिजनेस करने और किसी देश की राजनीति पर तंज कसने के

बीच एक दायरा होता है, और किसी भी धनकुबेर को वह दायरा लांघने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। अमेरिका को भी यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि भारत के साथ रिश्ते बराबरी और सम्मान के दम पर ही आगे बढ़ सकते हैं। कोई भी बिजनेसमैन कितना भी अमीर क्यों न हो, उसे किसी दूसरे देश के लोकतांत्रिक पदों का मजाक उड़ाने का हक नहीं मिल जाता। निष्कर्ष बहुत सीधा है - भारत को हर उसकासा और हर तंज का मुंहतोड़ जवाब देना ही होगा। लेकिन इस काम के लिए हर बार पीएम ही सामने आएँ, यह बिल्कुल जरूरी नहीं है। इसके लिए हमारे पास पूरा विदेश मंत्रालय है और कई जिम्मेदार मंत्री हैं। हमारे मंत्रियों को अपनी इस सुस्ती को छोड़ना होगा और आगे आकर मस्क जैसे लोगों को साफ और कड़े शब्दों में समझाना होगा कि वे उद्योगपति हैं, तो उद्योगपति बनकर ही रहें। जब तक हमारा शासन तंत्र हर स्तर पर अपनी बात मजबूती से नहीं रखेगा, तब तक दुनिया के मंचों पर ऐसे गैर-जिम्मेदाराना बयानों का सिलसिला रुकने वाला नहीं है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

परिवर्तन की नई आवाज बनती भारतीय लड़कियां

राज कुमार सिन्हा

भारतीय लड़कियों का आंदोलनों में बढ़ता नेतृत्व इस बात का संकेत है कि देश की नई पीढ़ी केवल व्यवस्था के निर्णयों को स्वीकार करने के बजाय उनसे सवाल पूछने, जवाबदेही तय करने और बदलाव की दिशा निर्धारित करने के लिए तैयार है। जंतर-मंतर से लेकर वैश्विक मंचों तक, छात्राओं और युवा महिलाओं की सक्रियता लोकतंत्र को अधिक जवाबदेह, संवेदनशील और समावेशी बनाने की संभावना प्रस्तुत करती है।

परंपरागत रूप से, महिलाएं घरेलू क्षेत्र तक अपने को सीमित रखती हैं, जिसमें पत्नी, माँ और गृहिणी के रूप में उनकी भूमिकाओं पर बल दिया जाता है।परन्तु भारत में महिलाओं की भूमिका में व्यापक परिवर्तन देखा जा रहा है। हाल ही में दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए दो बड़े विरोध प्रदर्शनों,जुलाई 2026 में तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ और अक्टूबर 2026 में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ भारतीय छात्र राजनीति और सामाजिक आंदोलनों में लड़कियों और महिलाओं की भूमिका का एक नया खाका तैयार किया है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और छात्र संगठनों के नेतृत्व में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के लिए चले लगभग एक महीने के लंबे आंदोलन में लड़कियों ने वैचारिक और जमीनी दोनों स्तरों पर कमान संभाली थी। राजनीतिक विश्लेषकों ने इस आंदोलन को रेखांकित करते हुए लिखा है कि छात्राओं ने कमजोर समझे जाने वाले मुद्दवरो को तोड़कर खुद को आंदोलन के मोर्चे पर स्थापित किया है।मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ चल रहे हालिया प्रदर्शनों के दौरान महिलाओं की भागीदारी और उनके प्रति पुलिसिया रवैये ने व्यवस्था के एक अलग पहलू को सामने लाया है। आंदोलनकारी छात्राओं ने अपने साक्षात्कारों में यह स्पष्ट किया है कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती मात्र से राज्य का रवैया संवेदनशील नहीं हो जाता है। उनके अनुसार, राज्य व्यवस्था का चरित्र पुरुष प्रधान ही रहता है, चाहे वह पुरुष से पहनी हो या महिला ने। जंतर-मंतर के ये हालिया घटनाक्रम दर्शाते हैं कि आधुनिक भारत में लड़कियां सिर्फ शैक्षणिक या आर्थिक सुधारों तक सीमित नहीं हैं। चाहे वह शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता का मुद्दा हो या लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की शुचितता या चुनाव आयोग की जवाबदेही? का, देश की युवतियां राजनीतिक और संवैधानिक तंत्र को चुनौती देकर व्यवस्था परिवर्तन की सबसे मुखर आवाज बन चुकी हैं। दूसरी ओर जनरेशन अल्फा की छात्राओं और छात्रों ने शिक्षा व्यवस्था की जर्जर और अपर्याप्त स्थिति के खिलाफ एक अभूतपूर्व और बड़े स्तर पर विरोध संघर्ष छेड़ हुआ है।जेन जी के पेपर लीक आंदोलनों से प्रेरणा लेकर स्कूली बच्चे सीधे सड़कों पर उतरकर व्यवस्था से जवाबदेही मांग रहे हैं। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं को बुनियादी अधिकारों से वंचित रहना पड़ रहा है, जिससे लेकर देशव्यापी आंदोलन खड़ा हुआ है। यह असंतोष केवल भारत तक सीमित नहीं है। फ्रांस में भी मैक्रों सरकार की शिक्षा नीतियों के खिलाफ जेन अल्फा के स्कूली छात्र-छात्राएँ बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरे हैं। वहां छात्राओं की मांग है कि कक्षाओं में भीड़ कम की जाए, जर्जर्ड इमारतों की मरम्मत हो और लंबे स्कूल समय (स्कूल ऑवर) की समीक्षा की जाए क्योंकि पढ़ाई का दबाव उनकी मानसिक स्थिति को प्रभावित कर रहा है। इतिहास और वर्तमान दोनों



इस बात का गवाह है कि सड़कों पर व्यवस्था परिवर्तन की अलख जगाने वाली युवा लड़कियां आगे चलकर देश और दुनिया की नीतियां तय करने वाली शीर्ष राजनीतिक नेता बनी हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसके कुछ सबसे सशक्त उदाहरण हैं। न्यूजीलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डन ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत युवावस्था में एक सामाजिक कार्यकर्ता और लेबर पार्टी के युवा विंग के सदस्य के रूप में की थी। उन्होंने मानवाधिकारों, बाल गरीबी और पर्यावरण के मुद्दों पर आंदोलनों में भाग लिया। युवावस्था में जमीनी मुद्दों पर सक्रियता के कारण ही वह मात्र 37 वर्ष की उम्र में दुनिया की सबसे युवा महिला राष्ट्राध्यक्षों में से एक बनीं। चिली में 2011 और 2019 के बड़े छात्र आंदोलनों का नेतृत्व युवा छात्राओं और लड़कियों ने किया था। इनमें से कैमिला वैलेजो एक प्रमुख छात्र आंदोलनकारी थी, जो बाद में चिली की संसद में पहुंचीं और वर्तमान में सरकार में मंत्री हैं। इसी तरह, इरीना कारामानोस ने एक नारीवादी कार्यकर्ता के रूप में शुरुआत की और चिली की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।फिनलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री साना मारिन एक बेहद सामान्य पृष्ठभूमि से आती थीं और उन्होंने युवावस्था में ही सामाजिक-राजनीतिक सक्रियता शुरू कर दी थी। वह सोशल डेमोक्रेटिक यूथ की उपाध्यक्ष बनीं और नागरिक अधिकारों के आंदोलनों से जुड़कर आगे बढ़ीं। वह 34 वर्ष की आयु में फिनलैंड की प्रधानमंत्री बनीं और उनके नेतृत्व वाले गठबंधन दल की सभी पांचों नेता महिलाएं थीं, जिनमें से चार की उम्र 35 वर्ष से कम थी।लड़कियों की शिक्षा के

लिए तालिबान जैसे क्रूर संगठन के खिलाफ आंदोलन की शुरुआत करने वाली युसुफज़ई मलाला आज वैश्विक स्तर पर नीति-निर्धारकों को प्रभावित करती है। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ फ्राइडेज फॉर फ्यूचर आंदोलन शुरू करने वाली ग्रेटा थनबर्ग ने दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्षों और संयुक्त राष्ट्र को सीधे तौर पर कटपेरे में खड़ा किया है। उन्होंने यह साबित किया कि एक स्कूली लड़की भी वैश्विक राजनीतिक एजेंडे को बदल सकती है।अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों से पता चलता है कि आंदोलनकारी पृष्ठभूमि से आने वाली महिला नेता स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और बाल कल्याण जैसे संवेदनशील मुद्दों को राजनीतिक एजेंडे में सबसे ऊपर रखती हैं। पारंपरिक पुरुष-प्रधान राजनीति के मुकाबले, ये युवा महिला नेता व्यवस्था परिवर्तन का एक नया और अधिक समावेशी खाका पेश करती हैं।जंतर-मंतर या वैश्विक मंचों पर प्रदर्शन करने वाली लड़कियों में सत्ता से सीधे सवाल पूछने का साहस होता है, जो भविष्य के एक अच्छे राजनेता का प्राथमिक गुण है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर आज जो लड़कियां पेपर लीक या चुनाव आयोग के फैसलों के खिलाफ आंदोलन का चेहरा बनी हुई हैं, वे केवल आज का प्रदर्शन नहीं कर रहीं, बल्कि वे अपनी राजनीतिक क्षमता को निखार रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय उदाहरण बताते हैं कि कल की यही आंदोलनकारी लड़कियां भविष्य में देश और दुनिया की मुख्यधारा की राजनीति की दिशा और दशा बदलने वाली नेता बनेंगी।वह केवल महिला सशक्तीकरण का प्रश्न नहीं है, बल्कि देश की मानवीय क्षमता का बेहतर उपयोग करने का प्रश्न भी है। जिस देश

की आधी आबादी लंबे समय तक घरेलू भूमिकाओं तक सीमित रही हो, वहां यदि लड़कियां शिक्षा, लोकतंत्र, पर्यावरण, सामाजिक न्याय और संवैधानिक अधिकारों के सवालों पर नेतृत्व की भूमिका में आगे आ रही हैं, तो इसे केवल आंदोलनों तक सीमित रखना देश के लिए एक बड़ा अवसर गंवाना होगा। इन युवा महिलाओं की सबसे बड़ी ताकत यह है कि उनका राजनीतिक अनुभव केवल चुनाव लड़ने तक सीमित नहीं है। वे विश्वविद्यालयों, सड़कों, ग्राम सभाओं, सामाजिक आंदोलनों और डिजिटल मंचों पर सवाल उठाते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया को करीब से समझ रही हैं। वे प्रशासनिक निर्णयों के प्रभाव को सीधे महसूस करती हैं और सत्ता से जवाब मांगने का साहस भी रखती हैं। आज के आंदोलनों में नेतृत्व कर रही ये लड़कियां भविष्य के राजनीतिक और सामाजिक नेतृत्व के लिए एक महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रही हैं। आंदोलनों को केवल महिलाओं के मुद्दों तक सीमित नहीं समझना चाहिए। जब कोई छात्रा पेपर लीक, बेरोजगारी, चुनावी पारदर्शिता, पर्यावरण या सिव्दान की रक्षा के सवाल को लेकर सड़क पर उतरती है, तो वह केवल अपने अधिकार के लिए नहीं लड़ रही होती, बल्कि लोकतंत्र के व्यापक हित में नागरिक की भूमिका निभा रही होती है। भारतीय लड़कियों का आंदोलनों में बढ़ता नेतृत्व इस बात का संकेत है कि देश की नई पीढ़ी केवल व्यवस्था के निर्णयों को स्वीकार करने के बजाय उनसे सवाल पूछने, जवाबदेही तय करने और बदलाव को दिशा निर्धारित करने के लिए तैयार है। जंतर-मंतर से लेकर वैश्विक मंचों तक, छात्राओं और युवा महिलाओं की सक्रियता लोकतंत्र को अधिक जवाबदेह, संवेदनशील और समावेशी बनाने की संभावना प्रस्तुत करती है। इसलिए उनके संघर्षों को केवल तात्कालिक विरोध या छात्र राजनीति की गतिविधि मानकर नजर अंदाज नहीं किया जाना चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा संस्थानों, राजनीतिक दलों और लोकतांत्रिक संस्थाओं में उन्हें समान अवसर, स्वतंत्र अभिव्यक्ति और नेतृत्व के लिए अनुकूल वातावरण मिले। आज व्यवस्था से सवाल पूछने वाली लड़कियों को यदि निर्णय लेने की प्रक्रिया में उचित स्थान दिया जाता है, तो वे केवल अपने भविष्य का निर्माण नहीं करेंगी, बल्कि देश की राजनीति और समाज को भी अधिक न्यायपूर्ण, समानतापूर्ण और लोकतांत्रिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगीं। यही परिवर्तन की उस नई आवाज का वास्तविक अर्थ है, जो आज की युवा लड़कियों के संघर्षों से उभर रही है।इसलिए जंतर-मंतर पर खड़ी आज की लड़की को केवल प्रदर्शनकारी के रूप में देखना उसकी क्षमता को कम करके आंकना होगा। वह संभावित सांसद, विधायक, मंत्री, प्रशासक, न्यायविद, सामाजिक कार्यकर्ता या नीति-निर्माता भी हो सकती है। सवाल यह है कि क्या भारतीय लोकतंत्र उसे आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर देगा?

रोटरी क्लब के नेत्र जांच शिविर में 50 छात्राओं का परीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रोटरी क्लब के तत्वावधान में आयोजित निःशुल्क नेत्र जांच शिविर में सुभाष चंद्र बोस राजकीय बालिका छात्रावास की 50 छात्राओं की आंखों की जांच की गई। इस दौरान छात्राओं को नेत्रों की देखभाल के प्रति जागरूक करने के साथ ही जरूरतमंद छात्राओं को निःशुल्क चश्मे भी वितरित किए गए।

डा. एके गुप्ता के क्लीनिक में आयोजित शिविर का शुभारंभ रोटरी क्लब की अध्यक्ष प्रतिभा गुप्ता ने किया। उन्होंने कहा कि बालिकाओं का स्वस्थ जीवन ही सशक्त और उज्ज्वल समाज की नींव है। बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए इस तरह के शिविर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिविर में डा. एके गुप्ता ने छात्राओं को नियमित रूप से आंखों की जांच कराने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आंखों में किसी भी तरह की परेशानी होने पर उसे नजर अंदाज नहीं करना चाहिए। साथ ही बच्चों को



मोबाइल फोन और टेलीविजन का सीमित उपयोग करने तथा आंखों की उचित देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। बालिका छात्रावास की वार्डन दीप्ति गुसाईं ने बताया कि छात्रावास की छात्राओं के नेत्र परीक्षण के लिए पहली बार इस तरह का शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल 50 छात्राओं की

आंखों की जांच की गई और उन्हें निःशुल्क चश्मे भी वितरित किए गए। इस मौके पर बीना रावत, वार्डपी गिलर, अनीत चावला, उषा अग्रवाल, शरत चंद्र गुप्ता, विपिन बख्शी, मनीष अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, धीरजधर बछुवाण और गोपाल बंसल मौजूद रहे।

गंगोरी में मिट्टी से नहीं, अब सीसी से भरेगे हाईवे के गड्ढे



उत्तरकाशी। गंगोत्री हाईवे पर गंगोरी के पास गड्ढों को मिट्टी से भरने के बाद दोबारा उखड़ने की समस्या के बीच अब बीआरओ इन्हें सीमेंट कंक्रीट (सीसी) से भरवाएगा। हाईवे पर गड्ढों की मरम्मत के लिए अस्थायी तौर पर मिट्टी का इस्तेमाल किए जाने से बारिश और वाहनों की आवाजाही के बीच गड्ढे फिर

उभर रहे थे। इससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बीआरओ के कमांडर राजकिशोर ने बताया कि गंगोरी की तरफ मिट्टी से भरे गए गड्ढों को सीसी से भरने का काम तत्काल करया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय के आसपास आबादी वाले क्षेत्रों में हाईवे पर जहां भी गड्ढे हैं उन्हें पक्के तौर पर भरने का काम किया जा रहा है।

पहले भी कई स्थानों पर गड्ढे भरे गए हैं और शेष स्थानों पर भी मरम्मत जारी रहेगी। गंगोरी क्षेत्र में हाईवे पर गड्ढों की समस्या लंबे समय से वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। मिट्टी से भराई के बाद गड्ढे दोबारा उभरने से मरम्मत की टिकाऊ व्यवस्था पर सवाल उठ रहे थे। अब सीसी से भराई होने पर सड़क की सतह मजबूत होने और बार-बार गड्ढे बनने की समस्या कम होने की उम्मीद है। हालांकि, मरम्मत की गुणवत्ता और टिकाऊपन काम पूरा होने के बाद ही साफ होगा।

एक नजर

रुद्रनाथ की डोली के आगमन पर गहराया विवाद

गोपेश्वर। जिला सभागार गोपेश्वर में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में चतुर्थ केदार रुद्रनाथ की उत्सव डोली के शीतकालीन गद्दीस्थल आगमन को लेकर चल रहे विवाद का मुद्दा उठा। ग्वाड़ व कुजौं मेकोट क्षेत्र के लोगों ने अपने-अपने क्षेत्र से डोली लाने की बात कही। इस पर उपजिलाधिकारी चमोली राज कुमार पाण्डेय ने दोनों पक्षों से वार्ता कर आपसी सहमति से समाधान निकालने की बात कही।

जनता मिलन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एसडीएम ने आमजन की समस्याएं सुनीं। इस दौरान कुल 17 शिकायतों पर सुनवाई की गई और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। ग्राम रविग्राम, ज्योतिर्मठ निवासी वैभव सकलानी ने भू-धंसाव प्रभावित क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग और सिंचाई विभाग की ओर से कराए जा रहे निर्माण कार्यों पर शिकायत दर्ज कराई। इस पर एसडीएम ने समिति गठित कर निर्माण कार्यों की जांच कराने के निर्देश दिए। वहीं, ग्राम डुंगरी निवासी अर्जुन सिंह ने नल जल मित्र के रूप में किए गए कार्य का भुगतान नहीं होने का मामला उठाया। एसडीएम ने संबंधित अधिकारी को नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा। गोपेश्वर के मंदिर मार्ग निवासी शांता देवी ने मकान में पानी के रिसाव की समस्या रखी। इस पर नगर पालिका को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। एसडीएम ने अधिकारियों को जनता की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी और ग्रामीण मौजूद रहे।

माता—पिता पर जानलेवा हमला करने वाला आरोपी बेटा गिरफ्तार

कर्णप्रयाग। माता—पिता पर ब्लेड से वार कर उन्हें लहलुहान करने वाले आरोपी बेटे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को बगोली के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त किए गए एक चाकू, ब्लेड तथा लकड़ी का डंडा भी बरामद किया है। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। वीते रविवार को विक्रम सिंह निवासी बगोली ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि शनिवार रात को उनके पुत्र मनोज (27) ने उनके और उनकी पत्नी के साथ मारपीट की और ब्लेड से उन पर हमला कर लहलुहान कर दिया। चाकू, डंडे से भी हमला किया। बचाव करने पर उनका गला दबाने की भी कोशिश की। आरोपी की पत्नी और पड़ोसियों ने बीच-बचाव कर उनकी जान बचाई। विक्रम सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि उनका पुत्र चाकू लेकर उनकी मां—पत्नी को मारने आया था। पूर्व में भी वह 3—4 बार हमला कर चुका है। पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। शिकायत के आधार पर कोतवाली कर्णप्रयाग में मामली चोट पहुंचाना, हत्या की कोशिश के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की। प्रभावी निरीक्षक विनोद थपलियाल के नेतृत्व में उपनिरीक्षक वीरपाल सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने सोमवार को आरोपी मनोज सिंह को बगोली के पास से गिरफ्तार कर लिया।

विज्ञान महोत्सव में 36 बाल वैज्ञानिकों ने किया प्रतिभाग

पोखरी (चमोली)। शिवांगी इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में आयोजित ब्लॉक स्तरीय विज्ञान महोत्सव में 36 बाल वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, कृषि और आपदा प्रबंधन पर मॉडल प्रस्तुत किए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता में जीआईसी पोखरी के आदित्य प्रथम, जीआईसी उड़ामांडा की साक्षी द्वितीय रहे। हरित ऊर्जा में जीआईसी पोंगटा के शुभम प्रथम रहे। गणित प्रतिरूपण में जीआईसी रडुवा की आरुषि प्रथम रही। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में शिवांगी स्कूल के दक्ष प्रथम रहे। स्वदेशी कृषि में जीआईसी सरमोला के अंश रावत प्रथम और ग्रामीण परिवर्तन में जीआईसी रडुवा की अंजली प्रथम रही।

बीमार तीर्थयात्री को हेलिकॉप्टर से देहरादून पहुंचाया

गोपेश्वर। बदरीनाथ धाम की यात्रा पर आए मध्य प्रदेश के उज्जैन निवासी तीर्थयात्री की अचानक तबीयत बिगड़ गई। गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन विभाग ने उन्हें हेलिकॉप्टर से ज्योतिर्मठ से देहरादून रेफर करवाया।

जानकारी के अनुसार बृज मोहन माहेश्वरी (60) बदरीनाथ धाम की यात्रा पर आए थे। अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें बदरीनाथ स्थित आपदा प्रबंधन जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें ज्योतिर्मठ रेफर कर दिया। ज्योतिर्मठ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए हॉमर सेंटर ले जाने की सलाह दी।

कलेक्ट्रेट मिनिस्टीरियल कर्मचारियों का फूटा गुस्सा

उत्तरकाशी। लंबित मांगों के निस्तारण को लेकर उत्तरखंड कलेक्ट्रेट मिनिस्टीरियल कर्मचारी संघ ने आंदोलन शुरू कर दिया है। सोमवार को जिलाध्यक्ष करन भंडारी के नेतृत्व में कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर शासकीय कार्य किया। संघ ने चेतावनी दी कि मांगों पर जल्द निर्णय नहीं होने पर 17 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट मुख्यालय में धरना देकर पूर्ण कार्य बहिष्कार किया जाएगा।

संघ के जिलाध्यक्ष करन भंडारी ने बताया कि कलेक्ट्रेट बाँचे का पुनर्गठन वर्ष 2005 से लंबित है। संघ कलेक्ट्रेट को विशेष कार्यालय या विभाग का दर्जा देने के साथ विभिन्न पदों की शैक्षिक योग्यता और वेतनमान में संशोधन की मांग कर रहा है। वहीं, कनिष्ठ सहायक की शैक्षिक योग्यता इंटरमीडिएट से बढ़ाकर स्नातक करने और ग्रेड पे 2000 से 2800 करने की मांग भी शामिल है। इसके अलावा वरिष्ठ सहायक का ग्रेड पे 2800 से 4200, प्रधान सहायक का 4200 से 4600, प्रशासनिक अधिकारी का 4600 से 4800, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी का 4800 से 5400 और मुख्य प्रशासनिक



अधिकारी का 5400 से 6600 करने की मांग उठाई गई है। संघ ने मुख्य प्रशासनिक अधिकारी को तहसीलदार का लिंक अधिकारी घोषित करने

और नायब तहसीलदार के पदों पर पदेन्नति के लिए 10 प्रतिशत कोट निर्धारित करने की मांग भी की है।

नगर पालिका बाड़ाहाट ने शुरू किया कूड़ा निस्तारण केंद्र का निर्माण

उत्तरकाशी। नगर पालिका बाड़ाहाट की ओर से नगर के कूड़ा निस्तारण के लिए तिलोथ पावर हाउस के समीप कूड़ा निस्तारण केंद्र का निर्माण शुरू कर दिया गया है। यहां पर करीब तीन करोड़ की लागत से प्रतिदिन पच्चीस टन कूड़ा निस्तारण क्षमता के केंद्र का निर्माण किया जा रहा है। पालिका के अनुसार दिसंबर माह तक इसका निर्माण पूरा कर संचालन शुरू कर दिया जाएगा। इससे वर्षों से चली आ रही नगर के कूड़ा निस्तारण की समस्या का समाधान हो पाएगा।

नगर पालिका बाड़ाहाट के सामने वर्षों से बनी कूड़ा निस्तारण का अब जल्द ही समाधान हो जाएगा। नगर क्षेत्र में प्रतिदिन अठ्ठारह से बीस टन कूड़ा एकत्रित होता है। इसके निस्तारण के लिए उचित व्यवस्था न होने के कारण इसे करीब दस वर्षों से यह कूड़ा तांबाखानी में एकत्रित हो रहा था। इस कारण नगर क्षेत्र के लोगों को परेशानी के साथ ही गंगा भी दूषित हो रही थी।

14 महीने बाद मलबे में दबे कल्प केदार मंदिर की तलाश शुरू

उत्तरकाशी। गत वर्ष अगस्त माह में धराली में आई विनाशकारी आपदा के एक वर्ष दो माह बाद ग्रामीणों ने मलबे में दबे प्राचिन कल्प केदार मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए खुदाई शुरू कर दी। मंदिर समिति से जुड़े लोगों के अनुसार इतिहास में चौथी बार कल्प केदार को ढूँढने का काम शुरू किया गया है। इससे पूर्व आखिरी बार वर्ष 1926 में खुदाई के दौरान कल्प केदार के मुख्य मंदिर को जमीन ने नीचे ढूँढा गया था। आपदा प्रभावित धराली गांव के ग्रामीणों ने आराध्य समेश्वर देवता की देवडोली के आदेश और सानिध्य में कल्पकेदार मंदिर को मलबे के नीचे ढूँढने के लिए खुदाई शुरू कर दी गई है वहां पर विधिविधान के हवन के साथ पूजा पाठ किया गया। उसके बाद समेश्वर देवता के दिए समय पर खुदाई शुरू



की गई। कल्प केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष राजेश पंवार ने बताया कि अभी देवता के आदेश के साथ ग्रामीणों ने अपने संसाधनों

से खुदाई शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री ने भी मंदिर के जीर्णोद्धार की घोषणा की है। जल्द ही एक प्रतिनिधिमंडल उनसे

गुलदार की दहशत जारी, स्कूल नहीं गए तस्ली, बछेली, लगानु गांव के बच्चे

श्रीनगर गढ़वाल : बछेली के तस्ली गांव में गुलदार के हमले में महिला की मौत के बाद से क्षेत्र में गुलदार की दहशत बरकरार है। डर के कारण सोमवार को तस्ली, बछेली और लगानु गांव के छात्र-छात्राएं स्कूल नहीं गए। इन गांवों के करीब 18 से 20 छात्र साढ़े तीन किलोमीटर दूर राजकीय इंटर कॉलेज और प्राथमिक विद्यालय खंडाह में पढ़ते हैं। अभिभावकों ने गुलदार के पकड़े जाने या मारे जाने तक बच्चों के लिए स्कूल आने-जाने के लिए वाहन उपलब्ध करने की मांग की।

तस्ली निवासी मनोज कुमार और विशंभर सिंह ने बताया कि उनके बच्चे प्राथमिक विद्यालय और राईका खंडाह में पढ़ते हैं, लेकिन गुलदार के डर के कारण सोमवार को उन्हें स्कूल नहीं भेजा। बछेली के रवि कुमार ने भी बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि स्कूल की ओर से भी बच्चों को नहीं भेजने और ऑनलाइन पढ़ाई से संबंधित कार्य उपलब्ध करने की सूचना दी गई है। ग्रामीणों ने क्षेत्र में झाड़ूयाँ का कटान नहीं होने और पर्याप्त स्ट्रीट लाइटें नहीं लगाए जाने पर भी नाराजगी जताई। ग्राम प्रधान कुलदीप गुसाईं ने कहा कि बच्चों को स्कूल छोड़ने के लिए वाहन की व्यवस्था की जानी चाहिए। अश्वनी रावत, खंड शिक्षा अधिकारी, खिरसू ने बताया कि छात्रों की सुरक्षा सर्वोपरि है। शिक्षकों और



अभिभावकों को सभी सुरक्षात्मक उपाय करने को कहा गया है। गुलदार प्रभावित क्षेत्रों में जो बच्चे भय के कारण स्कूल नहीं जा पा रहे उनके लिए ऑनलाइन पढ़ाई की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। डीएफओ पौड़ी महातिम यादव ने बताया कि ग्रामीणों और वन विभाग की संयुक्त टीम तैयार कर छात्रों को स्कूल छोड़ने की व्यवस्था की जा रही है। इस संबंध में मुख्य शिक्षा अधिकारी से भी वार्ता की गई है। प्रयास है कि मंगलवार से बच्चों के स्कूल जाने और पर लौटना तक की व्यवस्था सुनिश्चित कर दी जाए। बछेली तस्ली में महिला को मारने वाला गुलदार न ट्रैप कैमरा और न ही पिंजरे में कैद हुआ। डीएफओ ने बताया कि विभाग की टीम निरंतर गश्त पर है। गुलदार को पकड़ने और उसकी पहचान के लिए प्रयास जारी है।

निबंध प्रतियोगिता में अमीषा रावत रही अत्तल

विकसित भारत @2047 विषय

पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : भक्त दर्शन

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जयहरीखाल में विकसित भारत @2047 विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा उन्हें वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना था।

प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने विकसित भारत की संकल्पना पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार सृजन, महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल इंडिया, पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण विकास तथा युवाओं की भागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों को अपने निबंधों में शामिल किया।

विद्यार्थियों ने अपने विचारों के माध्यम से यह संदेश दिया कि विकसित भारत का सपना



केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सामाजिक समानता, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, स्वच्छ पर्यावरण और प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर में सुधार भी शामिल है।

वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए युवाओं की सक्रिय भागीदारी, नवाचार, कौशल विकास और जिम्मेदार नागरिकता अत्यंत आवश्यक है। प्रतियोगिता में

प्रथम स्थान पर बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा अमीषा रावत, द्वितीय स्थान पर बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर के छात्र अभित कुमार, तृतीय स्थान पर संयुक्त रूप से बी.कॉम तृतीय सेमेस्टर की छात्रा लक्की एवं एम.एससी. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा कनिका कुकरेती रहे। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. विक्रम, डॉ. पवनिका चंदोला शामिल रहे। प्रतियोगिता की संयोजक डॉ. गुंजन आर्य एवं डॉ. दीपिका रही।

झाणजा गांव में भालू का आतंक, ग्रामीणों पर हमले से दहशत

उत्तरकाशी। भटवाड़ी विकासखंड के झाणजा गांव में भालू की लगातार आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत है। भालू हाल में एक—दो लोगों पर हमला भी कर चुका है। इसके बाद ग्रामीणों में भय और बढ़ गया है। आबादी के नजदीक भालू की मौजूदगी के चलते लोग खेतों में काम करने और



मवेशियों के लिए जंगल जाने से भी कतरा रहे हैं। ग्राम प्रधान सुमन पंवार और ग्रामीणों ने इस संबंध में वन क्षेत्राधिकारी कोटबंगला को पत्र भेजकर तत्काल सुरक्षा व्यवस्था करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव और आसपास के जंगल में भालू की गतिविधियां लगातार देखी जा रही हैं। इससे महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। ग्रामीणों को रोजमर्रा के काम के लिए भी सतर्कता बरतनी पड़ रही है। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि तत्काल टीम गांव में भेजकर भालू की गतिविधियों पर नजर रखी जाए। प्रधान सुमन पंवार का कहना है कि हमले की घटनाओं के बाद स्थिति को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। वन विभाग समय रहते आवश्यक कदम उठाए।

राम—भरत मिलाप का मंचन देख भावुक हुए दर्शक



उत्तरकाशी। आदर्श रामलीला समिति की ओर से रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला प्रयाग दर्शन, राम भरत मिलाप और भरत की अयोध्या वापसी के प्रसंगों का भावपूर्ण मंचन किया गया। भगवान श्रीराम और भरत के बीच अटूट प्रेम, त्याग और भाईचारे का दृश्य देखकर

दर्शक भावुक हो उठे। वहीं, कथावाचक शांति प्रसाद भट्ट को मरणोपरान्त उत्तरकाशी गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। रामलीला मंचन के दौरान गंगा पार करने के बाद भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण चित्रकूट पहुंचकर कुटिया बनाकर रहने लगते हैं। उधर, ननिहाल में रह रहे भरत को अयोध्या बुलाना जाता है। अयोध्या पहुंचने पर रानी कैकेयी उन्हें पूरे घटनाक्रम की जानकारी देती हैं। इसके बाद भरत शत्रुघ्न और पूरी सेना के साथ चित्रकूट पहुंचते हैं। इस दौरान कथावाचक शांति प्रसाद भट्ट को उनके योगदान के लिए मरणोपरान्त उत्तरकाशी गौरव सम्मान प्रदान किया गया। इस मौके पर सभासद संतोषी राणा, पंचमय राणा, समिति अध्यक्ष डॉ. जयेंद्र सिंह पंवार, भूपेश कुर्दियाल, अरविंद सिंह राणा, रमेश चौहान, महेंद्र सिंह पंवार मौजूद रहे।

पीएमश्री विद्यालय में दी कथक की प्रस्तुति दी

गोपेश्वर। पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज ग्वाड़ देवलधर में भारतीय कला एवं संस्कृति के प्रति विद्यार्थियों में रूचि विकसित करने के उद्देश्य से कथक शास्त्रीय नृत्य का आयोजन किया गया। कलाकार गीरी शर्मा ने शानदार प्रस्तुति से विद्यार्थियों को कथक की भावपूर्ण एवं कलात्मक दुनिया से खूब करवाया। उन्होंने नृत्य के माध्यम से कथक की बारीकियाँ, लय, ताल, भाव—भंगिमाओं, पद संचालन, वक्र और हस्त मुद्राओं का सुंदर प्रदर्शन किया। प्रधानाचार्य मालती चौहान ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ उनकी रचनात्मक प्रतिभा और कलात्मक अभिरुचि को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम ने शिक्षक ओमप्रकाश पुरोहित, आत्मप्रकाश डिमरी, पुरुषोत्तम पुरोहित, दीवान सिंह नेगी, सत्यप्रकाश फरसैण आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

इटली के सिसिली में दो बवंडरों का कहर, कई घायल; स्कूल और मकान क्षतिग्रस्त

रोम, एजेंसी। इटली के सिसिली द्वीप के पश्चिमी हिस्से में आए दो शक्तिशाली बवंडरों ने भारी तबाही मचाई है। इस प्राकृतिक आपदा में कई लोग घायल हो गए, कई मकानों और वाहनों को नुकसान पहुंचा तथा एक स्कूल की इमारत बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। शुक्रवार देर शाम आई इस आपदा में 11 लोगों की अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि 70 वर्षीय व्यक्ति की हालत गंभीर बताई गई है। इटली की न्युज एजेंसी एएनएसए की रिपोर्ट के अनुसार, बवंडर ने पश्चिमी सिसिली के तटीय शहर मार्साला और आसपास के इलाकों को प्रभावित किया। समुद्र के ऊपर बने बवंडर तट की ओर बढ़े और फिर रियाशशी इलाकों में पहुंचकर तबाही मचाने लगे। तेज हवाओं के कारण कारें पलट गई, इमारतों की खिड़कियां टूट गईं, और कई जगहों पर मलबा बिखर गया। मार्साला के एक स्कूल को भी भारी नुकसान पहुंचा। घटना के सप्ताह वहां 273 बच्चे मौजूद थे। स्कूल प्रशासन और कर्मचारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी बच्चों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। हालांकि, घटना में छह बच्चों को मामूली चोट आई।

अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में गोलीबारी, संदिग्ध समेत नौ लोगों की मौत

पेंसिल्वेनिया , एजेंसी। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य के एरी शहर में हुई गोलीबारी में संदिग्ध हमलावर समेत नौ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। हालांकि, अधिकारियों ने घटना से जुड़ी अन्य जानकारियां साझा नहीं की हैं। एरी के पुलिस प्रमुख रिक लोराह ने एक स्थानीय न्युज चैनल से बातचीत में कहा कि अपने 28 साल से अधिक के करियर में उन्होंने ऐसी घटना नहीं देखी। उन्होंने कहा कि शहर में इतने लोगों की मौत और इतनी बड़ी तबाही का सामना शायद पहले कभी नहीं करना पड़ा। इस घटना के बाद पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो ने शनिवार को एरी की मेयर डारिया डेविलिन को हर संभव मदद देने की पेशकश की। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन इस मुश्किल समय में शहर को पूरा सहयोग देगा। एरी शहर पिट्सबर्ग से करीब 188 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। फिक्हाल, घटना को लेकर अधिकारियों ने इससे अधिक जानकारी नहीं दी है।

तूफान की चपेट में आने से अमेरिका में चार लोगों की मौत

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका के कुछ इलाकों में इसायास तूफान का कहर दिख रहा है। फ्लोरिडा पैनहैंडल के किनारे बने होटलों और कॉन्डोमिनियम की छतों को प्रचंड हवाओं के कारण भारी नुकसान उठाना पड़ा है। शनिवार को (स्थानीय समय) तूफान उत्तर की ओर बढ़ गया, जिसके कारण दक्षिणपूर्व में मूसलाधार बारिश हुई। कई जगहों पर अचानक बाढ़ और बवंडर का खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक तूफान से कम से कम चार लोगों की मौत हुई है जिनमें फ्लोरिडा और अलबामा में घरों पर पेड़ गिरने से मारे गए दो लोग भी शामिल हैं। लगभग 7 लाख उपभोक्ताओं के घरों में बिजली गुल है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक बाढ़ दक्षिणी अप्पलाचियन पर्वतमाला तक फैल सकती है। गौरतलब है कि इसायास का लैफ़ोर्ल शुक्रवार को फ्लोरिडा के डेरिस्टन के पास हुआ, जब श्रेणी 2 का यह तूफान तट से टकराया। डेरिस्टन खाड़ी तटीय इलाके में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। ऊंची इमारतों और पर्यटकों को लुभाने वाली दुकानों से भरे इलाके में खतरा बना हुआ है। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस के मुताबिक रात भर में तूफान कमजोर पड़ा है। अब ये उष्णकटिबंधीय चक्रवात की श्रेणी में है लेकिन अभी भी ‘बाढ़ का खतरा बहुत अधिक है।

रूस की लैब में कर्मचारी की मौत का कारण अब तक स्पष्ट नहीं, डब्ल्यूएचओ ने जांच जारी रखने को कहा

जिनेवा, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने शनिवार को कहा कि रूस की एक प्रयोगशाला में काम करने वाले युवक की मौत का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। यह लेब प्लेग और दूसरी बीमारियों पर काम करती है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, शुक्रआती रिपोर्टों में मौत की वजह न्यूमोनिक प्लेग होने की आशंका जताई गई थी, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है। यह बीमारी फैफ़ण्डों को गंभीर रूप से प्रभावित करती है और एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकती है।

नेपाल की बूढ़ी गंडकी नदी में बाढ़:कई पुल-घर बहे, 4 लापता, लैंडस्लाइड से स्यारी नदी का रास्ता बंद, बिहार में भी खतरा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के गोरखा जिले में रविवार सुबह बूढ़ी गंडकी नदी में अचानक बाढ़ आने से कई गांवों को नुकसान पहुंचा है। बाढ़ में कई घर और पुल बह गए। चार लोग लापता हैं। उनकी तलाश की जा रही है। बाढ़ से 341 मेगावट के बूढ़ी गंडकी हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट का निर्माण कैप और कई मशीनें भी बह गईं। बाढ़ का पानी सुबह करीब 4 बजे बस्तिगं में घुसा, जिसके बाद लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर जाना पड़ा। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ऊंचे पहाड़ी इलाके में भूस्खलन के कारण चुन्चुब्री स्यारी नदी का रास्ता बंद हो गया था। इससे पानी जमा हुआ और फिर अचानक

तेज बहाव के साथ नीचे आया। इससे पहले 26 अगस्त को भोटेकोशी और त्रिशुली नदी में आई बाढ़ में 1455 लोगों की मौत हुई थी। साथ ही 5,285 लोग अब भी लापता हैं। सरकार ने बताया कि लगातार हो रहे भूस्खलन के बीच लापता लोगों की तलाश जारी है।

आज अहले सुबह नेपाल के गोरखा जिले में फिर से भयानक बाढ़ देखने को मिली। यहां की बूढ़ी गंडक नदी में आई अचानक बाढ़ ने एक बार फिर से तबाही मचाई है। बूढ़ी गंडक नदी के बाढ़ में नेपाल को जान-माल का काफी नुकसान हुआ है। इस बार बाढ़ के साथ मिट्टी, पत्थर एवं भारी भरकम पेड़ बहकर आया



और रास्ते में जो कुछ मिला, वह नदी की धारा में समा गया। नदी अपने साथ घर, पुल, बेस कैम्प सब कुछ बहा कर लेकर चली गई। इस बाढ़ के कारण दोभान, घट्टेखोला, जगत्, सल्लेरी, चुमानुबरी एवं धाचें गांव पालिका में भारी नुकसान हुआ है। वहीं चुमानुबरी से न्याकचैत-सिर्दिबास जोड़ने वाला पुल भी बाढ़ ने बह

गया है।

करीब 100 मकान बहने की आशंका : गोरखा जिला के प्रमुख जिला अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार मिश्र ने बताया कि बाढ़ अहले सुबह 4 बजे के करीब आई है। इसमें दोभान, घट्टेखोला, जगत्, सल्लेरी चुमानुबरी एवं धाचें गांव पालिका में भारी नुकसान हुआ है। इन सभी गांव पालिकाओं में करीब

सऊदी के रियाद एयरपोर्ट पर हमला, धमाके से 12 मौतें :300 लोग घायल

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब की राजधानी रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार को फिर हमला हुआ। धमाके में 12 लोगों की मौत हुई है, जबकि 300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। कुछ घायलों की हालत गंभीर है। मृतकों में 4 सऊदी, 2 बांग्लादेशी और अमेरिका, फिलिस्तीन, मिस्र, जॉर्डन, सीरिया और सूडान के एक-एक नागरिक शामिल हैं। हमले के बाद एयरपोर्ट खाली कराया गया और उड़ानें रोक दी गईं। बीते 24 घंटे में एयरपोर्ट की कम से कम 225 उड़ानें रद्द हुईं। रियाद एयरपोर्ट पर बीते 20 दिन में यह चौथा हमला है। अभी तक किसी ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि हमले के पीछे हूतियों के हाथ होने का शक है। हूतियों ने इस हफ्ते अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस को चेतावनी दी थी कि सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र में उड़ानें चलाने के गंभीर नतीजे हो सकते हैं।

हूती विद्रोहियों और सऊदी समर्थित यमनी सेना के बीच लड़ाई तेज : यमन में हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के समर्थन वाली सरकारी सेना के बीच लड़ाई तेज हो गई है। सऊदी अरब अपने लड़ाकू विमानों से हूतियों के ठिकानों पर हवाई हमले कर रहा है, जबकि यमन की सरकारी सेना जमीन पर आगे बढ़ रही है। इसका मकसद लाल सागर के पास हूतियों के कब्जे वाले इलाकों को

यूएस में गोलीबारी: पेंसिल्वेनिया में नौ, जॉर्जिया में पांच लोगों की मौत; पुलिस बोली- 28 साल में पहली ऐसी घटना

पेंसिल्वेनिया , एजेंसी। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य के एरी शहर में हुई गोलीबारी में संदिग्ध हमलावर समेत नौ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। हालांकि, अधिकारियों ने घटना से जुड़ी अन्य जानकारियां साझा नहीं की हैं। एरी के पुलिस प्रमुख रिक लोराह ने एक स्थानीय न्युज चैनल से बातचीत में कहा कि अपने 28 साल से अधिक के करियर में उन्होंने ऐसी घटना नहीं देखी। उन्होंने कहा कि शहर में इतने लोगों की मौत और इतनी बड़ी तबाही का सामना शायद पहले कभी नहीं करना पड़ा। इस घटना के बाद पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो ने शनिवार को एरी की मेयर डारिया डेविलिन को हर संभव मदद देने की पेशकश की। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन इस मुश्किल समय में शहर को पूरा सहयोग देगा। एरी शहर पिट्सबर्ग से करीब 188 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। फिक्हाल, घटना को लेकर अधिकारियों ने इससे अधिक जानकारी नहीं दी है।

यूएस में गोलीबारी: पेंसिल्वेनिया में नौ, जॉर्जिया में पांच लोगों की मौत; पुलिस बोली- 28 साल में पहली ऐसी घटना

पेंसिल्वेनिया , एजेंसी। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य के एरी शहर में हुई गोलीबारी में संदिग्ध हमलावर समेत नौ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। हालांकि, खबर लिखे जाने तक स्थानीय अधिकारियों, पुलिस के आला अफसरों में किसी ने घटना से जुड़ी अन्य जानकारियां साझा नहीं की हैं।

28 साल से अधिक के करियर में ऐसी घटना नहीं : पीटीआई पर आई रिपोर्ट के मुताबिक एरी के पुलिस प्रमुख रिक लोराह ने एक स्थानीय न्युज चैनल से बातचीत में कहा कि अपने 28 साल से अधिक के करियर में उन्होंने ऐसी घटना नहीं देखी। उन्होंने कहा कि शहर में इतने लोगों की मौत और इतनी बड़ी तबाही का सामना शायद पहले कभी नहीं करना पड़ा।

अमेरिका के किस कोने का मामला, गवर्नर ने हर संभव मदद की पेशकश की : इस घटना के बाद पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो ने शनिवार को एरी की मेयर डारिया डेविलिन को हर संभव मदद देने की

ट्रम्प बोले- अटलांटिक या पैसिफिक का नाम ‘ट्रम्प ओशन’ रखेंगे

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अटलांटिक या पैसिफिक ओशन का नाम बदलकर ‘ट्रम्प ओशन’ या ‘ओशन ऑफ द अमेरिका’ रखने का सुझाव दिया है। ट्रम्प ने शनिवार को एक चुनावी रैली के दौरान कहा कि 2028 में अपना कार्यकाल खत्म होने से पहले वह एक महासागर और एक बड़ी नदी का नाम बदलना चाहेंगे हैं। उनकी इस बात पर रैली में मौजूद लोग हंसने लगे और तालियां बजाने लगे। इससे पहले भी ट्रम्प खुद के नाम पर कई जगहों के नाम रखने का सुझाव दे चुके हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कई बार होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिकी इलाका बताते हुए कहा कि क्या इसका नाम बदलकर ‘ट्रम्प स्ट्रेट’ कर देना चाहिए। मैक्सिको गल्फ को ‘गल्फ ऑफ अमेरिका’ किया पिछले साल ट्रम्प ने मैक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर



और रास्ते में जो कुछ मिला, वह नदी की धारा में समा गया। नदी अपने साथ घर, पुल, बेस कैम्प सब कुछ बहा कर लेकर चली गई। इस बाढ़ के कारण दोभान, घट्टेखोला, जगत्, सल्लेरी, चुमानुबरी एवं धाचें गांव पालिका में भारी नुकसान हुआ है। वहीं चुमानुबरी से न्याकचैत-सिर्दिबास जोड़ने वाला पुल भी बाढ़ ने बह



हुए हमलों के बारे में पूछा गया। उन्होंने कहा, यह अच्छा नहीं है और मैं खुश नहीं हूं। हालांकि, इन हमलों के जवाब में अमेरिका की ओर से सैन्य मदद देने का कोई संकेत नहीं मिला। अमेरिका ने फिलहाल इस संघर्ष से दूरी बनाई हुई है।

एयर इंडिया समेत कई एयरलाइंस ने उड़ानें रोकीं : सऊदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट को हूती विद्रोही पहले भी निशाना बना चुके हैं। इस हफ्ते रियाद एयरपोर्ट पर हुआ यह तीसरा हमला था। लेकिन पहले के हमलों की तुलना में इस बार बड़ी तादाद में लोग हताहत हुए हैं। एक क्षेत्रीय अधिकारी के मुताबिक, शनिवार को हूतियों की ओर से दागी गई मिसाइल एयरपोर्ट के उस परिसर में गिरी, जहां घरेलू उड़ानों के टर्मिनल 3 और 4 स्थित हैं। हमले में बड़ी संख्या में लोग जखमी हुए। वहीं सऊदी अरब को हूती विद्रोहियों की ओर से निशाना बनाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का रिएक्शन भी सामने आया है।

पाकिस्तान में ईसाई शख्स पर ईशनिंदा का आरोप, घर-फार्मेसी फूंकी; डर से भागे 35 परिवार

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान में ईशनिंदा के आरोप के बाद एक ईसाई व्यक्ति के घर और फार्मेसी को भीड़ ने आग के हवाले कर दिया। घटना के बाद इलाके में रहने वाले ईसाई समुदाय के 35 से ज्यादा परिवारों को अपनी मीडिया के लिए घर छोड़कर भागना पड़ा। पुलिस के मुताबिक, यह घटना गुरुवार को लाहौर से करीब 50 किलोमीटर दूर शेखपुरा जिले के ग्रियाल कलां गांव में हुई। आरोपी की पहचान 40 साल के कामरान गुल मसीह के रूप में हुई है। उस पर सोशल मीडिया पर ईशनिंदा से जुड़ी सामग्री साझा करने का आरोप है।

मस्जिद से लोगों को जुटने का हुआ ऐलान : पुलिस अधिकारी जुबैर अब्बास ने बताया कि कामरान गुल मसीह को गिरफ्तार कर लिया गया है। भीड़ के हाथों उसकी हत्या होने की आशंका को देखते हुए उसे सुरक्षा के लिए



एक सुरक्षित स्थान पर रखा गया है। हालांकि, एक स्थानीय मस्जिद से लोगों को उसके घर के आसपास जुटने की घोषणा की गई। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग वहां इकट्ठा हो गए। भीड़ ने पहले मसीह के घर में आग लगा दी और फिर उसकी फार्मेसी को भी जला दिया। पुलिस के मुताबिक, जैसे ही भीड़ के पहुंचने की खबर फैली, मसीह के परिवार और इलाके में रहने वाले ईसाई समुदाय के लोग अपनी सुरक्षा के लिए वहां से निकलने लगे।

कैप्टनस्मितकीनईतस्वीरआईसामने

अबू धाबी , एजेंसी। अबू धाबी के अस्पताल में इलाज करा रहे भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर की नई तस्वीर सामने आई है। तस्वीर में वह इस्त्राइल के राष्ट्रपति इसाक हजोंग का पत्र पढ़ते नजर आ रहे हैं। उनकी बहादुरी से प्रभावित राष्ट्रपति हजोंग ने उन्हें इस्त्राइल के सर्वोच्च नागरिक वीरता सम्मान से सम्मानित करने का एलान किया है। मच्छर को भेजे अपने पत्र में हजोंग ने कहा है कि स्मित के पूरी तरह ठीक होने के बाद उन्हें यरुशलम बुलाकर यह सम्मान दिया जाएगा। 30 सितंबर को फ्लाईदुबई की उड़ान में हुए खोफनाक घटनाक्रम के दौरान स्मित ने जिस हिम्मत और सूझबूझ का परिचय दिया, उससे विमान में सवार 180 लोगों की जान बच गई।

अस्पताल में इलाज के बीच मिला राष्ट्रपति का खास संदेश :

इस्त्राइल के राष्ट्रपति इसाक हजोंग ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा कर कैप्टन स्मित मच्छर की जमकर तारीफ की। उन्होंने अपने संदेश में भारतीय पायलट को इस्त्राइल, भारत और पूरी मानवता का हीरो बताया। हजोंग ने कहा कि उन्होंने स्मित को भेजे पत्र में उनके जल्द और पूरी तरह स्वस्थ होने की कामना की है। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि स्मित के ठीक होने और दोबारा ताकत हासिल करने के बाद यरुशलम में उनका स्वागत करना उनके लिए सम्मान की बात होगी। उन्होंने लिखा, 'कैप्टन स्मित मच्छर, आप इस्त्राइल, भारत और पूरी मानवता के हीरो हैं।' उन्होंने आगे कहा कि वह स्मित से मिलकर उन्हें इस्त्राइल के नागरिक वीरता के

सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित करने के लिए उत्सुक है।

राष्ट्रपति के पत्र में छलका स्मित की बहादुरी के लिए सम्मान : 4 अक्टूबर को लिखे अपने पत्र में राष्ट्रपति हजोंग ने कैप्टन स्मित के साहस, हीसले और पायलट को गुजरना पड़ा, उसकी कल्पना करना भी मुश्किल है। विमान के कॉकपिट में जान का खतरा सामने होने और गंभीर दर्द से जुझने के बावजूद स्मित ने अपना धैर्य बनाए रखा और सही फैसले लिए। हजोंग ने पत्र में लिखा कि घटनाक्रम किसी रोमांचक फिल्म जैसा लगता है, लेकिन उस समय कॉकपिट में मौजूद लोगों ने किस डर और तनाव का सामना किया होगा, इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है।

ऐसे हालात में खुद को संभालना, जान पर मंडराते खतरे का मुकाबला करना और समझदारी से काम लेना स्मित के मजबूत चरित्र और अदम्य साहस को दिखाता है। राष्ट्रपति हजोंग ने कैप्टन स्मित की बहादुरी की तुलना एक सदी से भी पहले पवित्र भूमि के शहरों को आजाद कराने के लिए लड़ने वाले भारतीय सैनिकों के साथ की। उन्होंने कहा कि उन भारतीय सैनिकों ने अपनी जान जोखिम में डालकर इतिहास रचा था और इस्त्राइल के इतिहास में हमेशा के लिए अपनी जगह बनाई थी। हजोंग के मुताबिक, कैप्टन स्मित ने भी अपनी बहादुरी से इस्त्राइल के लोगों के दिलों में खास जगह बना ली है।

पाकिस्तान में ईसाई शख्स पर ईशनिंदा का आरोप, घर-फार्मेसी फूंकी; डर से भागे 35 परिवार

35 से ज्यादा ईसाई परिवारों ने छोड़े घर : पुलिस अधिकारी जुबैर अब्बास के मुताबिक, इस घटना के बाद 35 से ज्यादा ईसाई परिवारों को अपने घर छोड़ने पड़े। घटना की सूचना मिलने पर सीनियर अफसरों के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने हालात को काबू में किया। इस मामले में पुलिस ने कामरान गुल मसीह के खिलाफ पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 295-ए के तहत केस दर्ज किया है। यह धारा पंगंबर मोहम्मद के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने से जुड़े मामलों में लगाई जाती है। प्राथमिकी यानी सख्दूक के मुताबिक, पुलिस शिकायतकर्ता रईस अहमद ने बताया कि वह अन्य पुलिसकर्मियों के साथ इलाके में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि कामरान गुल मसीह ने फेसबुक पर एक वीडियो

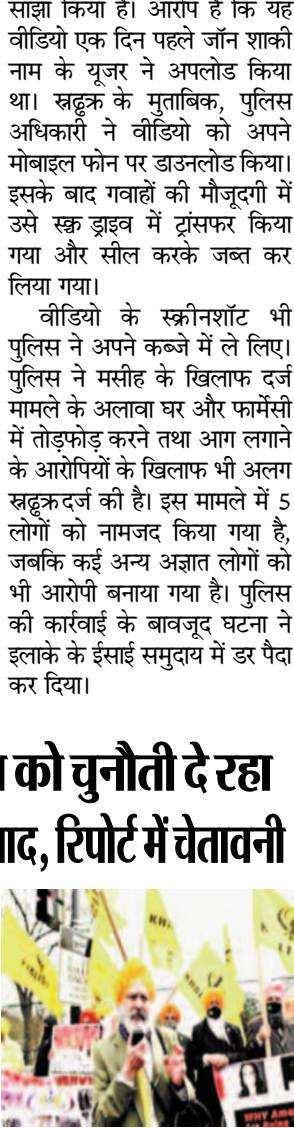
साझा किया है। आरोप है कि यह वीडियो एक दिन पहले जॉन शाकी नाम के यूजर ने अपलोड किया था। सख्दूक के मुताबिक, पुलिस अधिकारी ने वीडियो को अपने मोबाइल फोन पर डाउनलोड किया। इसके बाद गवाहों की मौजूदगी में उसे स्क़ाइव हो में ट्रांसफर किया गया और सील करके जब््त कर लिया गया।

वीडियो के स्क्रीनशॉट भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिए। पुलिस ने मसीह के खिलाफ दर्ज मामले के अलावा घर और फार्मेसी में तोड़फोड़ करने तथा आग लगाने के आरोपियों के खिलाफ भी अलग सख्दूकदर्ज की है। इस मामले में 5 लोगों को नामजद किया गया है, जबकि कई अन्य अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस की कार्रवाइ के बावजूद घटना ने इलाके के ईसाई समुदाय में डर पैदा कर दिया।

कनाडा की संप्रभुता को चुनौती दे रहा खालिस्तानी अलगाववाद, रिपोर्ट में चेतावनी

ओटावा , एजेंसी। कनाडा में अलगाववाद के बढ़ते प्रभाव को लेकर एक रिपोर्ट प्रकाशित की गई है। चेतावनी भरे अंदाज में कहा गया है कि देश दूसरे देशों की संप्रभुता को नकारने वाले आंदोलनों को जगह देकर अपनी संप्रभुता की रक्षा नहीं कर सकता। रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा रिखों की धार्मिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति का आजादी और राजनीतिक भागीदारी की रक्षा करते हुए भी अलगाववादी एजेंड के वैधता देने से बच सकता है। खालसा वॉक्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके लिए आतंकवादी संगठनों के खिलाफ घोषित प्रतिबंधों को लागू करना, एयर इंडिया विमान बम विस्फोट के दोषियों का महिमामंडन करने वाले समूहों को मंच देने से इनकार करना और किसी विदेशी जनमत संग्रह को कनाडा के परिसंघ से जुड़े मतदान के साथ एक जैसी राजनीतिक अहमियत नहीं देना जरूरी है। कुछ विज्ञापनों का भी उल्लेख करते हुए आगे कहा गया, ‘कनाडा के अलबर्टा प्रांत में 19 अक्टूबर को इस सवाल पर मतदान की तैयारी है कि क्या प्रांत की स्वतंत्रता के लिए बाध्यकारी जनमत संग्रह कराने की संवैधानिक प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए।' इसी बीच, एयरइंडी के आसपास लगे विज्ञापन 18 अक्टूबर को एडमंडन में प्रस्तावित ‘पंजाब की स्वतंत्रता पर अलबर्टा जनमत संग्रह’ की ओर ध्यान आकर्षित करा रहे हैं।

रिपोर्ट में इन विज्ञापनों के पीछे अमेरिका स्थित खालिस्तानी संगठन ‘सिख्स फॉर जस्टिस’ (एसएफजे) का हाथ बताया गया है। इसमें कहा गया है कि इस संगठन ने



सार्वजनिक रूप से अलर्टों के कैलगरी शहर में खालिस्तान समर्थक रैली को ‘पंजाब जनमत संग्रह और अलबर्टा की स्वतंत्रता’, दोनों अभियानों के लिए मंच के रूप में पेश किया है। संगठन ने अलबर्टा के लोगों को आत्मनिर्णय के अधिकार का इस्तेमाल करने देने के लिए कनाडा सरकार की भी सराहना की है। अलबर्टा की स्वतंत्रता का समर्थन करने वाले एक वक्ता ने खालिस्तान समर्थक रैली में कहा कि इस आयोजन से उन्हें अपने अभियान के लिए प्रेरणा मिलती है। रिपोर्ट में दोनों आयोजनों की तारीखों के बीच एक दिन का अंतर होने को जानबूझकर अपनाई गई रणनीति बताया गया है। खालसा वॉक्स की रिपोर्ट में कहा गया, ‘एसएफजे के जनमत संग्रह अनौपचारिक और गैर-बाध्यकारी हैं तथा भारत सरकार के लिए उनका कोई कानूनी महत्व नहीं है। कनाडा के लिए इनके राजनीतिक और सामाजिक प्रभावों को नजरअंदाज करना उचित नहीं होगा। यह आंदोलन पिछले चार दशकों से कनाडा की सड़कों और गुरुद्वारों का इस्तेमाल करते हुए भारत के क्षेत्र से जुड़े अलगाववादी दावे को आगे बढ़ाता रहा है। अब अलबर्टा में कनाडा की एकता से जुड़े महत्वपूर्ण मतदान के साथ इस मुद्दे को जोड़ने की कोशिश की जा रही है।

महंगे सीरम को कहें अलविदा,
घर पर बनाएं असरदार विटामिन
सी सीरम, मिलेगी दमकती त्वचा



अगर आप भी रोजाना रात में स्किन केयर करना नहीं भूलती हैं और चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए कई प्रयास करती हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि महिलाएं अपनी स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बनाने के लिए तरह- तरह के प्रोडक्ट्स फेस पर लगाती हैं। लेकिन आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे विटामिन सी सीरम के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका इस्तेमाल आप रोजाना रात में सोने से पहले कर सकती हैं।

अगर आप इस खास सीरम को लगाती हैं, तो इससे मार्केट के महंगे सीरम खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही आप कम पैसे में इस सीरम को बनाकर तैयार कर सकती हैं। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि घर पर रहकर विटामिन सी सीरम कैसे बनाया जा सकता है।

होममेड विटामिन सी सीरम

ब्यूटी एक्सपर्ट के मुताबिक अगर आप घर पर एक खास विटामिन सी सीरम तैयार करना चाहती हैं, तो आप कम पैसे में इसको बनाकर तैयार कर सकती हैं। इसको बनाने का तरीका भी काफी आसान है और इसको बनाने के लिए कुछ खास सामग्री की जरूरत होगी।

सामग्री

गुलाब जल
विटामिन सी पाउडर
विटामिन ई कैप्सूल
एलोवेरा जेल
ग्लिसरीन

ऐसे बनाएं विटामिन सी सीरम

आप घर पर आसानी से यह खास सीरम बनाकर तैयार कर सकती हैं। इसको बनाने का तरीका बेहद आसान है। इसको बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में विटामिन सी पाउडर लें। अब इसमें गुलाब जल, एलोवेरा जेल और ग्लिसरीन को डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इसमें विटामिन सी कैप्सूल की कुछ बूंदें डालकर इस सीरम को अच्छे से मिलाएं। इस आसान तरीके से आपका होममेड सीरम बनकर तैयार हो गया है।

आप रोजाना रात में सोने से पहले इस सीरम को अपने फेस पर अप्लाई कर सकती हैं। आप 15 दिन तक इस सीरम का इस्तेमाल कर सकती हैं। आप चाहें तो रोजाना रात में इसका इस्तेमाल कर सकती हैं या फिर सप्ताह में 3-4 बार भी इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। आप जब भी इसको फेस पर अप्लाई करें, तो पहले साफ पानी से चेहरे को धो लें और फिर फेस के सूखने के बाद इस सीरम को फेस पर लगाएं। इसको आप फेस के साथ-साथ गर्दन पर भी लगा सकती हैं।

रेस्तरां स्टाइल में हम सभी टेस्टी सब्जी बनाना चाहते हैं, लेकिन कहीं न कहीं मिस्टेक जरूर हो जाती है। अपने खाने को टेस्टी बनाने के लिए छोटे-छोटे टिप्स एंड ट्रिक्स पर ध्यान देना काफी जरूरी है। घर में चाहे कितना भा टेस्टी खाना बना लें, लेकिन बच्चे फिर कभी निकाल देते हैं। ऐसे में हर महिलाओं को इन टिप्स का जरूर पता होना चाहिए। अगर आप मेवों की मदद से सब्जी में इस्तेमाल करके लाजवाब खाना बना सकते हैं। मेवे सब्जियों के स्वाद को दोगुना कर देते हैं। यह सब्जी में स्वाद तो बढ़ा ही देते हैं और यह काफी हेल्दी भी होती है। आइए आपको बताते हैं मेवे से सब्जी की क्रीम को गाढ़ा और क्रीमी से बनाएं।

मेवे से सब्जी को गाढ़ा और क्रीमी कैसे बनाएं

– इसके लिए आफ काजू या बादाम को गर्म पानी में 30 मिनट के लिए भिगोकर रख दें। अब इसे पानी से निकालकर थोड़ा दूध या पानी डालकर एक चिकना पेस्ट बना लें। फिर आप इसे सब्जी की ग्रेवी में डालें। इससे आपकी ग्रेवी गाढ़ी, क्रीमी और

सर्दी-जुकाम से राहत के लिए
अपनाएं दादी-नानी का नुस्खा,
बेसन का शीरा देगा तुरंत आराम।

बदलते मौसम में बच्चों को सर्दी-जुकाम की शिकायत हो जाती है। बच्चों की इम्युनिटी कमजोर होने के कारण खांसी-जुकाम की समस्याएं बन जाती हैं। यदि आपके बच्चे को मौसम के बदलने से सर्दी-जुकाम से परेशान हो गए हैं, तो इसे दवाओं की जगह आप एक बार बेसन का शीरा बनाकर जरूर पिएं। यह एक ट्रेडिशनल पंजाबी रेसिपी है, जो मौसम बदलने के बाद बच्चों की इम्युनिटी को बूस्ट करती है। बीमारी से लड़ने में मदद करती है। बेसन शीरा स्वाद के साथ ही हेल्थ के लिए काफी बढ़िया है। इसके सेवन से सर्दी, खांसी और जुकाम की समस्या जल्द ठीक हो जाती है। आइए आपको बताते हैं कैसे बनाया जाता है टेस्टी और हेल्दी बेसन का शीरा।

बेसन का शीरा बनाने के लिए सामग्री

– 3 बड़े चम्मच बेसन



घर की सब्जी को दें शाही टि्वस्ट! बस काजू-बादाम,
मूंगफली से बढ़ाएं ग्रेवी का जबरदस्त स्वाद

स्वादिष्ट बनेंगी। इसका यूज आप शाही पनीर, कोपता और मलाई कोपता जैसी सब्जियों में कर सकते हैं। आप बादाम, काजू या मूंगफली को हल्का भूनकर छोटे टुकड़ों में काट लीजिए। सब्जी तैयार होने के बाद ऊपर से इन टुकड़ों को डालें। सब्जी तैयार होने के बाद ऊपर से आप इन टुकड़ों को डालें। ऐसा करने से सब्जी में कुरकुरापन और

स्वादिष्ट मेवों वाला फ्लेवर आएगा। सूखी सब्जियों के लिए भी यह तरीका बेस्ट है।

– भुनी हुई मूंगफली का पेस्ट बनाकर ग्रेवी में डाल सकते हैं। इससे आपकी ग्रेवी का स्वाद और भी बढ़ जाएगा। इसके साथ ही ग्रेवी गाढ़ी हो जाएगी। आप तिल को पीसकर उसका पेस्ट भी ग्रेवी में मिला सकती हैं। इससे ग्रेवी का स्वाद बढ़ जाता है।

– बादाम या काजू को पीसकर पाउडर बना लीजिए। इस पाउडर को आप मसाले की तरह किसी भी सब्जी की ग्रेवी में डाल दीजिए। प्याज की जगह दही और मूंगफली का पेस्ट बनाकर ग्रेवी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपकी ग्रेवी गाढ़ी होने के साथ ही उसका स्वाद भी काफी कमाल लगेगा।



अब इसमें बेसन इलायची, गुड़, कटे हुए बादाम, कुटी हुई काली मिर्च, अजवाइन और हल्दी डालकर अच्छी तरह सभी चीजों को मिला लीजिए। इसके बाद आप इसमें दूध डालते हुए सभी चीजों को करछी से लगातार चलाते हुए मिलाएं, वरना पेसन में गांठें पड़ जाएगी। बेसन में पड़ी गांठें शीरा का स्वाद बिगड़ सकती हैं। इसके

बाद आप दूध को 5 मिनट तक अच्छे से उबालें। इसके बाद बेसन के शीरे में कटा हुआ ताजा हरा धनिया डाल दें। यह लीजिए टेस्टी गर्मागर्म बेसन का शीरा तैयार है। बेसन का शीरा पीने के बाद बच्चों को खुली हवा में बाहर ना भेजें। क्योंकि ऐसा करने से इसका असर कम हो जाता है। बेसन का शीरा पीने के बाद बच्चे सोने दें।

बासी पोहा हो गया सख्त तो अपनाइए ये
आसान नुस्खा, मिलेगा वही पुराने जैसा स्वाद

नाश्ते में पोहा खाना आखिरकार किसे अच्छा नहीं लगता। सुबह अक्सर चाय के साथ पोहा खाने में एक अलग ही मजा आता है। लेकिन पोहा केवल तभी अच्छा लगता है, जब उसे बनाकर गरमा-गरम सर्व किया जाए। अगर उसे बाद में खाया जाता है तो वह थोड़ा सख्त और सूखा-सूखा महसूस होता है। इतना ही नहीं, उसका वो टेक्सचर भी गायब हो जाता है, जिसकी वजह से उसे खाने का मन ही नहीं करता है। हालांकि, अगर आप ऐसे में उसे फेंकने की सोच रहे हैं तो जरा ठहरिए। अगर आप चाहें तो थोड़ा सा जादू करने पर बासी पोहा को फिर से नरम, टेस्टी और फ्रेश बना

सकते हैं।

वास्तव में, पोहा उन आसान डिशों में से है, जिसे अगर सही ट्रिक से दोबारा गरम किया जाए तो उसका स्वाद और टेक्सचर दोनों ही पहले जैसा हो जाता है। तब आपको उसे खाते समय ऐसा महसूस होता है, जैसा कि इसे अभी-अभी गरमागरम बनाया गया हो। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही आसान टिप्स के बारे में बताने वाले हैं, जो आपके बासी पोहे को फिर से टेस्टी बनाने में मदद करेंगे-

थोड़ा पानी छिड़कें

यह एक आसान तरीका है बासी पोहा को फिर से फ्रेश करने का। इसके लिए सबसे पहले पोहे को एक कटोरी या कड़ाही में डालिए और उस पर 2-3 चम्मच पानी हल्के से छिड़किए। अब इसे ढककर 2-3 मिनट के लिए रख दीजिए। दरअसल, पोहा इसलिए सूख जाता है क्योंकि उसमें से नमी निकल जाती है। थोड़ा पानी और भाप उसे चिपचिपा किए बिना दोबारा नरम बना देते हैं।

थोड़ा तेल या घी डालकर दोबारा गरम करें

एक पैन में 1 चम्मच तेल या घी गरम करें। चाहें तो उसमें थोड़े राई के दाने, करी पत्ता या एक चुटकी हल्दी डालें। अब उसमें बासी पोहा डालकर 1-2 मिनट तक चलाइए। जब आप पोहे को हल्का सा भूनते हैं तो इससे पोहे की खुशबू और स्वाद दोनों ताजा हो जाते हैं। तेल हर दाने को कोट कर देता है जिससे पोहा दोबारा चिपकता नहीं है।

आजमाएं माइक्रोवेव ट्रिक

अगर आपके पास समय कम हो तो माइक्रोवेव की इस ट्रिक को भी आजमाया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले पोहे पर थोड़ा पानी छिड़कें, फिर उस पर गीला टिशू पेपर या माइक्रोवेव ढक्कन रखकर 30-40 सेकंड के लिए गरम करें। गीला टिशू भाप को अंदर रोकता है, जिससे पोहा बराबर गरम होता है और सूखता नहीं है।



किचन के इन 3 मसालों से पाएं मुंह की बदबू
से छुटकारा, बनाएं नेचुरल माउथवॉश!

हर भारतीय के किचन में पाए जाने वाले ये मसाले केवल खाना का स्वाद ही नहीं, मुंह की दुर्गंध और बैक्टीरिया को दूर भागा देते हैं। आपकी रसोई में रखें इन 3 मसालों से तैयार करें नैचुरल माउथवॉश। मुंह की दुर्गंध, मसूजों की सूजन और बैक्टीरिया संक्रमण की समस्या से परेशान हो गए हैं, तो यह लेख आपके लिए है। वैसे तो बाजार में कई सारे माउथवॉश मिलते हैं लेकिन इनमें केमिकल और अल्कोहल की मात्रा होती है। यह अस्थायी ताज्दी तो पहुंचता है लेकिन लंबे समय तक दांतों और मसूजों को नुकसान भी पहुंचता है। इसी कारण आप अपने घर पर ही इन 3 मसालों से नैचुरल माउथवॉश बना सकते हैं। लौंग, चक्र फूल और दालचीनी से बना यह घरेलू माउथवॉश आपके लिए बेहद ही

फायदेमंद होगा। यह माउथवॉश आपके मुंह के बैक्टीरिया को खत्म करता है। आइए आपको बताते हैं इसे कैसे बनाएं।
माउथवॉश बनाने की विधि
सामग्री
– 4-5 लौंग
– 2 चक्र फूल
– 1 दालचीनी का टुकड़ा
– 1 कप पानी
इसे बनाने का तरीका
– सबसे पहले आप एक पैन में पानी डालें। फिर इसमें लौंग, दालचीनी और चक्र फूल को डालें।
– फिर आप इसे 7-8 मिनट तक उबालें। इसे तब तक उबालें जब तक इसका रंग हल्का

भूरा न लग जाए।
– जब यह पानी ठंडा हो जाए, तो इसे कांच की बोतल में भरकर रख दें।
– इसे घरेलू माउथवॉश से आप दिन में 1 या 2 बार कुल्ला जरूर करें।
घरेलू माउथवॉश इस्तेमाल करने के फायदे
– मुंह की दुर्गंध दूर करता है और सांसों को लंबे समय तक तरोताजा रखता है।
– इसमें एंटीबैक्टीरियल के गुण होते हैं, जो कि मुंह में बैक्टीरिया को खत्म करते हैं।
– मसूजों की सूजन को कम करता है और ओरल हेल्थ को बेहतर बनाता है।
– यह एक प्रकार से 100% प्राकृतिक और केमिकल-फ्री जो दांतों के एनामेल को नुकसान नहीं पहुंचाता है।



दोषी को फांसी की सजा दिलाने की मांग

देहरादून। जौनसार–बावर क्षेत्र के कचटा गांव में नीलम की हत्या के मामले को लेकर खत कोरू में आक्रेश का माहौल है। इस घटना के बाद श्री चालदा महाराज मंदिर समिति, खत कोरू की ओर से बैठक आयोजित कर घटना की कड़ी निंदा की गई। बैठक में आरोपी को कठोरतम सजा दिलाने और दोष सिद्ध होने पर फांसी की सजा की मांग की गई। साथ ही लोगों से पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए कानूनी प्रक्रिया में सहयोग करने की अपील की गई।

बैठक की अध्यक्षता खत के सदर स्थाना सुनील दत्त जोशी ने की। उपस्थित लोगों ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। ऐसे मामलों में निष्पक्ष जांच और कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई जरूरी है, ताकि पीड़िता को न्याय मिल सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के प्रयास किए जा सकें।

मंदिर समिति के निर्णय को बताया सराहनीय

बैठक के दौरान वक्ताओं ने श्री चालदा महाराज मंदिर समिति, खत कोरू की पहल को सराहनीय बताया हुए कहा कि समाज की महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।



लोगों ने अपील की कि मामले में निष्पक्ष जांच और प्रभावी पैरवी के लिए सहयोग किया जाए, ताकि आरोपी कानून के तहत जवाबदेह ठहराया जा सके। बैठक में यह भी अपील की गई कि कोई भी व्यक्ति आरोपी की पैरवी के लिए आगे न आए। आरोपी के

परिवार और रिश्तेदारों से भी न्यायिक प्रक्रिया में सहयोग करने का आग्रह किया गया। ग्रामीणों ने कहा कि पीड़िता को जल्द न्याय मिलना चाहिए और दोष सिद्ध होने पर न्यायालय कानून के अनुरूप कठोरतम सजा सुनाए।

नारेबाजी कर शासनादेश जारी करने की मांग उठाई

नई टिहरी। मेडिकल कॉलेज निर्माण संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले 58 वें दिन धरना तथा 42 वें दिन ऋमिक अनशन जारी रहा। धरने स्थल पर मौजूद आंदोलनकारीयों ने नारेबाजी कर सरकार से शीघ्र मेडिकल कॉलेज का शासनादेश जारी करने की मांग उठाई। बीराड़ी के गणेश चौक में मेडिकल कॉलेज निर्माण के लेकर सोमवार को नागरिक मंच के पदाधिकारी व वरिष्ठ नागरिक कमल सिंह महर और चंडी प्रसाद डबराल ऋमिक अनशन पर बैठे। साथ ही भाजपा नेता जीतराम भट्ट का सत्याग्रह 71वें दिन जारी रहा। धरने पर बैठे लोगों ने आरोप लगाया कि मेडिकल कॉलेज की मांग के मामले में सरकार कुंभकर्ण की नींद में सोई है, उसे न तो कुछ दिखाई दे रहा है और न ही सुनाई दे रहा है। समिति की ओर से सरकार को जगाने के लिए धरना स्थल सरकार का पुतला रखा गया है। सुबह और शाम को पुतले के सामने कनस्तर बजाकर सरकार को जगाने का प्रयास किया जा रहा है।

क्या है कचटा हत्याकांड?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, तहसील कालसी के कचटा गांव में पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि विवाद के दौरान पति मनोज ने धारदार हथियार से अपनी पत्नी नीलम पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। मामले को सूचना मिलने पर राजस्व पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को तहसील प्रशासन की टीम ने आरोपी को पकड़ लिया। इसके बाद आरोपी को न्यायालय में पेश करने की कानूनी प्रक्रिया अपनाए जाने की जानकारी दी गई थी।

इस घटना के बाद जौनसार–बावर क्षेत्र में नाराजगी देखने को मिल रही है। खत कोरू के लोगों ने पीड़िता को न्याय दिलाने और मामले में नियमानुसार शोध कार्रवाई की मांग की है।

बैठक में वे लोग रहे मौजूद

बैठक में स्थाना गामा सिंह चौहान, अमर सिंह, बचन सिंह, स्वराज सिंह, सीताराम चौहान, वारू सिंह, गजेंद्र नेगी, सुंदर राठौर, बबलू शर्मा, पूरण सिंह खन्ना सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आगामी विस चुनावों में भाजपा लहराएगी परचम : तीरथ

कर्णप्रयाग। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने कहा कि आगामी 2027 के विधानसभा चुनावों में भाजपा सभी प्रदेशों में परचम लहराएगी। भाजपा की केंद्र सरकार में मोदी सरकार ने युवाओं के लिए काम किया है। इससे युवाओं के लिए रोजगार के द्वार खुले हैं। सोमवार को बदरीनाथ जाने से पहले भाजपा नेता तीरथ सिंह रावत ने पत्रकार वार्ता में कहा कि चुनाव आयोग अपना काम कर रहा है लेकिन कुछ विपक्ष के नेता कुछ युवाओं को भटका रहा है जबकि अधिकतर युवा देश और पीएम मोदी के साथ खड़ा है। इससे पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के यहां पहुंचने पर भाजपा जिला महामंत्री अरुण मैठाणी, वरिष्ठ नेता टीका प्रसाद मैथुरी, जिला मंत्री सुभाष चमोली, हेमंत सेमवाल, प्रधान संघ के धीरेंद्र भंडारी, सरोज हटवाल, नगर अध्यक्ष बृजेश बिष्ट, मंडल अध्यक्ष चित्रम मिंगवाल आदि ने उनका स्वागत किया।



कुमाल्डा के पास हुई कार दुर्घटना, तीनों सवार सुरक्षित



नई टिहरी। चंबा पुलिस थाना क्षेत्र के कुमाल्डा में दुर्घड़ी गांव के पास 11 अक्टूबर की रात साढ़े 12 बजे एक कार अनियंत्रित होकर सड़क से 50 मीटर नीचे गहरी खाई में गिर गई। गंभीरत रहीं कि तीनों कार सवार सुरक्षित हैं। घटना का कारण कार के आगे अचानक जंगली जानवर आना बताया गया है।

कार चालक सॉफ्टवेयर इंजीनियर राहुल मिश्रा (27) पुत्र स्व. सुखदेव मिश्रा निवासी हाउस ऑफ जस्टिस मुदल मिश्रा, जगत नारायण रोड कमद कुआं पटना बिहार ने पुलिस को बताया कि वे बंगलूरु में रिसको कंपनी में कार्यरत हैं। कंपनी के कार्य से देहरादून आया था। रात साढ़े 10 बजे वे दो दोस्तों के साथ रायपुर से धनोलेटी घूमने जा रहे थे लेकिन रास्ता खराब होने के कारण वे आधे रास्ते से ही देहरादून लौट गए। इस दौरान दुबड़ी गांव के पास कार के आगे अचानक जंगली जानवर आने के कारण कार अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गिर गई। कार दुर्घटना का पता चलते ही स्थानीय लोग मदद के लिए पहुंच गए थे। ग्रामीणों के सहयोग से वे खुद और देहरादून डीआरडीओ में कार्यरत सॉफ्टवेयर इंजीनियर विक्रंत सिंह (27) पुत्र सुभाष प्रसाद सिंह निवासी निशोहरा थाना बिगैल दरभंगा बिहार और देहरादून डीआरडीओ में कार्यरत सॉफ्टवेयर इंजीनियर सुब्बीर (33) कार से बाहर निकले और टैक्सी बुक कर देहरादून निकल गए।

संक्षिप्त समाचार

सिमली अस्पताल में जनरेटर—आरओ किए गए ठीक

कर्णप्रयाग। महिला बेस अस्पताल सिमली में लचर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की पहल शुरू हो गई है। यहां जनरेटर और आरओ ठीक कर दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने स्थानीय लोगों की शिकायत पर यह कदम उठाया है। अस्पताल में विगत माह से दो जनरेटर, आरओ और ऑक्सीजन प्लांट खराब थे जिससे मरीजों को परेशानी हो रही थी।विभाग ने खराब पड़े दोनों जनरेटर और आरओ को सही कर दिया गया है। दो वर्ष से बंद पड़े ऑक्सीजन प्लांट को ठीक करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञ लगातार जुटे हुए हैं। गंभीर रूप से बीमार मरीजों को उच्च चिकित्सा केंद्र ले जाने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था भी की गई है। स्वास्थ्य केंद्र में दो माह पूर्व तैनात रैंडियोलॉजिस्ट मरीजों का अल्ट्रासाउंड कर रहे हैं लेकिन प्रिंटर नहीं होने से उन्हें फोटोकापी नहीं मिल पा रही है। जनसंपर्क अधिकारी अमर लाल नथवाल ने बताया कि अस्पताल की व्यवस्थाओं को मजबूत करने के लिए उच्चाधिकारी निरंतर पहल कर रहे हैं।

आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में याचिका खारिज

कर्णप्रयाग। आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में प्रभारी अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मोहित महेश की अदालत ने आरोपी सूरज कुमार की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। अदालत ने मामले की गंभीरता और विवेचना प्रचलित होने के आधार पर जमानत याचिका निरस्त कर दी।मामला छह सितंबर का है। कर्णप्रयाग विकासखंड के सेनू गांव में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। महिला का शव पंखे पर चुड़ी के सहारे लटका मिला था। सात सितंबर को मृतका के पिता ने कोतवाली में पति, जेट, ससुर और सास पर हत्या किए जाने के संबंध में लिखित तहरीर दी थी। तहरीर के आधार पर कोतवाली में हत्या के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई। 23 सितंबर को पुलिस ने मृतका के पति सूरज कुमार को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में गिरफ्तार किया था। अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए मामले की गंभीरता और विवेचना प्रचलित होने के आधार पर जमानत याचिका निरस्त कर दी।

स्कूटी से की स्टंटबाजी, पुलिस ने किया सीज

ज्योतिमठ। सोशल मीडिया पर लाइक्स और व्यूज के चक्र में स्कूटी से खतरनाक स्टंट करना एक युवक को भारी पड़ गया। ज्योतिमठ बाजार में सड़क पर स्टंटबाजी का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित स्कूटी को सीज कर दिया। साथ ही मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई भी की गई। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में स्कूटी से खतरनाक स्टंट कर सड़क पर अपनी ओर दूसरों की जान जोखिम में डालने की कोशिश की गई थी। वीडियो का संज्ञान लेते हुए ज्योतिमठ पुलिस ने युवक के खिलाफ कार्रवाई की और उसे भविष्य में इस तरह की हरकत नहीं करने की सख्त हिदायत दी। युवक ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए माफी भी मांगी। वहीं पुलिस उपाधीक्षक मदन सिंह बिष्ट ने कहा कि वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करें और अपनी सुरक्षा के साथ दूसरों की जिंदगी का भी ध्यान रखें। जिंदगी अनमोल है। इसे चंद लाइक्स और व्यूज के लिए जोखिम में न डालें।

सहकारी सचिवों की हड़ताल से किसानों की मुश्किलें बढ़ीं

उत्तरकाशी। सहकारी समिति सचिवों की 12 दिनों से जारी ऋमिक हड़ताल का असर अब किसानों को मिलने वाली जरूरी सुविधाओं पर पड़ने लगा है। कृषि कार्यों के महत्वपूर्ण समय में बहुउद्देशीय सहकारी समितियों का कामकाज प्रभावित होने से खाद-बीज वितरण, कृषि ऋण और सहकारी लाभांश से जुड़े कार्यों में बाधा आ रही है। ऐसे में किसानों को समय पर जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने और उनकी समस्याओं के समाधान को लेकर बहुउद्देशीय सहकारी समिति संगठन ने चिंता जताई है।

संगठन ने सहकारी समिति सचिवों की मांगों का समर्थन करते हुए प्रदेश के सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत को ज्ञापन भेजा है।

देहरादून, जनसमस्याओं के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ऋषिगुणी सभागार में जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित किया गया। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 92 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें बुजुर्गों के साथ कथित पारिवारिक प्रताड़ना, संपत्ति पर कब्जा, मारपीट, पेंशन में देरी, भूमि विवाद, मुआवजे और आर्थिक सहायता से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रहीं। जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं की समस्याएं गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को मामलों की जांच कर नियमानुसार समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संपत्ति के लिए अपनों पर प्रताड़ना के आरोप, बुजुर्गों ने मांगा न्याय

समाधान दिवस में बुजुर्गों के साथ पारिवारिक प्रताड़ना और संपत्ति विवाद के कई मामले सामने आए। 89 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक राजन सुद ने आरोप लगाया कि उनके बेटे ने गिफ्ट डीड के माध्यम से धोखे से उनकी पूरी संपत्ति अपने नाम करा ली। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बेटे ने व्यवसाय शुरू करने के लिए देखभाल का भरोसा देकर उनके खाते से 15



लाख रुपये ले लिए। अब उनके साथ मारपीट की जा रही है और उन्हें घर से बेघर करने का प्रयास किया जा रहा है।

अपनी संपत्ति और धनराशि वापस दिलाने की गुहार

बंदरों के डर से बच्चों का स्कूल जाना हुआ मुश्किल

लंबगांव (टिहरी)। नगर पंचायत क्षेत्र के लोग बंदरों से खासे परेशान हैं। बच्चों का स्कूल आनाजाना मुश्किल है। दिनभर बाजार में घूम रहे बंदर सीसीटीवी कैमरों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं जिससे बाजार की सुरक्षा व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। व्यापार मंडल ने डीएम को भेजे ज्ञापन में बंदरों से निजात दिलाने की मांग की है।लंबगांव क्षेत्र में बंदरों की संख्या बढ़ने से लोगों की समस्या बढ़ती जा रही है। बाजार में जहां लोगों का थैला लेकर घर से बाहर निकलना मुश्किल बना हुआ है, वहीं बच्चों को भय के साए में स्कूल जाना पड़ रहा है। छोटे बच्चों से बैग छीनने की कई घटनाएं सामने आ चुकी है बावजूद वन विभाग बंदरों से निजात दिलाने के कोई प्रयास नहीं कर रहा है। व्यापार मंडल अध्यक्ष राजीव पंवार ने डीएम को भेजे ज्ञापन में बताया कि लंबगांव नगर पंचायत क्षेत्र में बंदरों की संख्या बढ़ती जा रही है जिससे बाजार में व्यापारी, घरो में महिलाएं और बच्चे परेशान हैं।



बंदर बाजार में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिससे बाजार की सुरक्षा व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। बावजूद वन विभाग कोई ध्यान नहीं दे रहा है। उन्होंने बंदरों से शीघ्र निजात दिलाने की मांग की है। ज्ञापन भेजने वालों में व्यापार मंडल उपाध्यक्ष कविराज बगियाल, कोषाध्यक्ष अमन राणा, आशीष रावत, सुमन रांगड़ और राजवीर पंवार आदि शामिल थे।

कूणा के ग्रामीणों ने एसडीएम के समक्ष उठाई समस्याएं

टिहरी। देहरादून । लखवाड़ बांध परियोजना से पूर्ण रूप से प्रभावित ग्राम रणोणी और कूणा के ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर उपजिलाधिकारी (एसडीएम) के समक्ष अपनी बात रखी। इस दौरान ग्रामीणों ने परियोजना से प्रभावित परिवारों की समस्याओं, उनके अधिकारों और लंबित मांगों को प्रमुखता से उठाते हुए प्रशासन से गंभीरता के साथ समाधान सुनिश्चित करने की अपेक्षा जताई।

ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर आयोजित इस मुलाकात के दौरान ग्राम प्रधान श्रीमती सुनीता पंवार, जौनपुर क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य श्री जोत सिंह रावत तथा उत्तराखंड जल विद्युत निगम लिमिटेड (वखस्ठल) के अधिकारी भी मौजूद रहे। ग्रामीणों ने अपनी परेशानियों और अपेक्षाओं से अधिकारियों को अवगत कराते हुए कहा कि बांध परियोजना से पूर्ण रूप से प्रभावित गांवों के लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना जाना चाहिए।

प्रभावित ग्रामीणों के अधिकारों का हो सम्मान

लखवाड़ बांध परियोजना से प्रभावित रणोणी और कूणा के ग्रामीणों ने अपने मुद्दों को प्रशासन के समक्ष रखते हुए प्रभावित परिवारों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के उचित



निस्तारण पर जोर दिया। ग्रामीणों की मांग है कि संबंधित विभाग उनकी परिस्थितियों को समझते हुए प्रत्येक समस्या पर गंभीरता से विचार करें और समाधान की दिशा में प्रभावी कदम उठाएं।

अगलाड-थल्यूड-अलमस सड़क के चौड़ीकरण का इंतजार

थल्यूड (टिहरी)। जौनपुर ब्लॉक मुख्यालय को जोड़ने वाले अगलाड-थल्यूड—अलमस मोटर मार्ग पर वाहनो का दबाव लगातार बढ़ रहा है लेकिन पांच दशक से अधिक पुरानी सड़क का चौड़ीकरण नहीं हो पाया है। संकरी सड़क पर वाहनो की आवाजाही के चलते कई बार जाम की स्थिति बन जाती है। स्थानीय लोग पिछले तीन—चार वर्षों से सड़क चौड़ीकरण की मांग कर रहे हैं लेकिन शासन स्तर पर अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है।

नैनगा से थल्यूड—अलमस तक करीब 50 किलोमीटर लंबे मार्ग का निर्माण वर्ष 1970—72 के दौरान हुआ था। पांच दशक से अधिक समय बीतने के बाद भी सड़क का विस्तार नहीं होने से बढ़ते यातायात के बीच आवागमन में दिक्कत हो रही है। मार्ग से जौनपुर क्षेत्र के ग्रामीणों के साथ ही यमुनोत्री और गंगोत्री की यात्रा पर जाने वाले यात्री भी आवाजाही करते हैं।

जिला पंचायत में निर्विरोध निर्वाचन तय और नगर निकायों में होगा मुकाबला

नई टिहरी। जिला नियोजन समिति (डीपीसी) के चुनाव के लिए सोमवार को जिला पंचायत और नगर निकायों से नामांकन प्रक्रिया पूरी हो गई। जिला पंचायत टिहरी के सभी 17 पदों पर एक—एक नामांकन होने से सदस्यों का निर्विरोध चुनाव जाना तय है। वहीं, नगर पालिका मुनिकरीती में भी एक ही नामांकन हुआ है। चंबा और नई टिहरी में सदस्य पदों के लिए एक से अधिक प्रत्याशियों ने नामांकन कराया है। नामांकन पत्रों की जांच आज मंगलवार को होगी, जबकि 16 अक्टूबर को मतदान कराया जाएगा।जिला पंचायत में डीपीसी चुनाव के निर्वाचन अधिकारी/ लघु सिंचाई विभाग के ईई बृजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि सभी 17 पदों पर एक—एक नामांकन हुआ है। भिलंगना ब्लॉक से आशीष जोशी, धनपाल बिष्ट और विजय लाल, कीर्तिनगर से कविता देवी और उत्तम सिंह, प्रतापनगर से विजय देवी और लक्ष्मी देवी, जौनपुर से ममता और जोत सिंह, देवप्रयाग से पुष्पा रावत और पुष्पा देवी, नरेंद्रनगर से शोशपाल और जोत सिंह असेवाल, जाखणीधार से विजयपाल रावत और शकुंतला पंवार, थैलक्षार से शोशपाल सिंह और चंबा से दर्शनी रावत का निर्विरोध चुनाव जाना तय है। नगर निकायों के निर्वाचन अधिकारी/ सहायक अभियंता संजय कुमार ढुक्लान ने बताया कि मुनिकरीती नगर पालिका से गजेंद्र सिंह सजवाण ने एकमात्र नामांकन कराया है। ऐसे में उनका निर्विरोध निर्वाचन तय है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र

उनिथाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र अनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

उचित कार्रवाई करेंगे। वहीं, जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी ने प्रभावित ग्रामीणों के मुद्दों को प्रशासन तक पहुंचाने के प्रयास को महत्वपूर्ण बनाया।



नीरू धांडा ने एशियन गेम्स के तीनों मेडल भारतीय सेना को किए समर्पित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ट्रेप शूटर नीरू धांडा ने 2026 एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन पदक अपने नाम किए। उन्होंने प्रतियोगिता में दो गोल्ड और एक सिल्वर मेडल जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। भारतीय सेना में नायब सुबेदार के पद पर कार्यरत नीरू ने अपने तीनों पदक भारतीय सेना और देश की रक्षा में बलिदान देने वाले जवानों को समर्पित किए।

ट्रेप शूटिंग में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी नीरू

नीरू धांडा ने एशियन गेम्स में महिला व्यक्तिगत ट्रेप शूटिंग स्पर्धा में 26 अंकों के साथ गोल्ड मेडल जीता। इस उपलब्धि के साथ वह इस स्पर्धा में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने

वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इसके बाद उन्होंने आशीमा अहलावत और मनीषा कीर के साथ महिला टीम ट्रेप स्पर्धा में सिल्वर मेडल हासिल किया, जबकि क्यानन चेनाई के साथ मिश्रित टीम ट्रेप स्पर्धा में गोल्ड जीतकर अपने अभियान को यादगार बना दिया।

भारतीय सेना से मिले सम्मान को जीवनमर याद रखेंगी नीरू

नई दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने 2026 एशियन गेम्स में हिस्सा लेने वाले भारतीय सेना के खिलाड़ियों से मुलाकात की और उन्हें सम्मानित किया। नीरू ने कहा, 'मेरी सेना और मेरे देश ने मुझे जो सम्मान दिया है, उसे मैं अपनी पूरी जिंदगी याद रखूंगी। मैं

भारतीय सेना और अपने सभी देशवासियों के लिए लड़ती हूंगी। मुझे उम्मीद है कि मुझे आगे भी लोगों का ऐसा ही प्यार, स्नेह और आशीर्वाद मिलता रहेगा। मैं यहाँ मिले सम्मान के लिए दिल से बहुत खुश हूँ और सभी की आभारी हूँ।'

शहीद जवानों और उनके परिवारों को समर्पित किए तीनों पदक

नीरू ने आगे कहा, 'मैं अपना यह पदक भारतीय सेना और देश के उन बहादुर जवानों को समर्पित करती हूँ, जो हमारी मातृभूमि की रक्षा करते हुए सीमा पर अपनी जान गंवा देते हैं। मैं अपने तीनों पदक उन्हें समर्पित करती हूँ। देश के प्रति उनका दृढ़ संकल्प और शत्रु के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देना

कोई छोटी बात नहीं है। उनके भी परिवार हैं। वे हमारे देश की रक्षा के लिए अपना सब कुछ त्याग देते हैं।'

वर्ल्ड चैंपियनशिप में पदक और ओलंपिक कोटा हासिल करने पर नजर

एशियन गेम्स में ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद नीरू धांडा का अगला लक्ष्य वर्ल्ड चैंपियनशिप है। यह प्रतियोगिता 1 से 15 नवंबर तक आयोजित होगी, जिसमें ओलंपिक कोटा हासिल करने का मौका भी मिलेगा। नीरू अब इस प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही हैं, जबकि उनका बड़ा लक्ष्य 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करना है।

नीरू ने कहा, 'मेरा अगला लक्ष्य 1 से 15 नवंबर तक होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप है, जिसमें ओलंपिक कोटा प्रतियोगिता भी शामिल है। इसके बाद अगला लक्ष्य, जो हर खिलाड़ी का सपना होता है, 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक है।'

नीरू की नजर अब 2028 ओलंपिक पर

एशियन गेम्स में नीरू धांडा की सफलता भारतीय निशानेबाजी के लिए बड़ी उपलब्धि है। दोनों खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर देश और भारतीय सेना का नाम रोशन किया है। अब उनकी नजर आगामी वर्ल्ड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने और 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए भारत का कोटा सुनिश्चित करने पर होगी।

संक्षिप्त समाचार

19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी में उत्तराखंड ने असम को 255 रन से रौंदा

लड़कियों ने बिहार को 71 रन से दी शिकस्त

देहरादून (एजेंसी)। क्रिकेट के मैदान पर उत्तराखंड के युवा खिलाड़ियों ने दम दिखाया है। अंडर-19 पुरुष टीम ने असम को 255 रन से हराया, तो महिला टीम ने बिहार को 71 रन से शिकस्त दी. दोनों टीमों ने अपनी विपक्षी टीमों को एकतरफा अंदाज में रौंद दिया।

क्रिकेट के मैदान में उत्तराखंड की युवा प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन: क्रिकेट के मैदान पर उत्तराखंड की युवा प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है. बीसीसीआई के घरेलू टूर्नामेंट में प्रदेश की अंडर-19 पुरुष और महिला टीमों ने अपने-अपने मुकाबलों में बड़ी जीत दर्ज की. वीनू मांकड़ ट्रॉफी में उत्तराखंड की पुरुष टीम ने असम को 255 रन से हराया, जबकि महिला अंडर-19 टी-20 ट्रॉफी में उत्तराखंड की बेटियों ने बिहार को 71 रन से शिकस्त दी।

पुरुष टीम की जीत में कप्तान आयुष देसवाल की 78 रन की पारी और आकाश कुमार के चार विकेट अहम रहे. वहीं, महिला टीम की ओर से कप्तान करीना ने 47 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया. दोनों मुकाबलों में उत्तराखंड के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने मिलकर विपक्षी टीमों पर दबाव बनाए रखा।

ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका पर 280 रन की बढ़त ली

दूसरी पारी में 4.83 के स्नरेट से स्कोर किया, चौथे दिन लंच तक- 174/4



डारबन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में मजबूत पकड़ बना ली है। ऑस्ट्रेलिया ने डारबन के किंग्समीड में चौथे दिन लंच 4 विकेट खोकर 174 रन बनाए हैं। टीम की कुल बढ़त 280 रन हो गई है। मैट रेनशॉ 32 और एलेक्स कैरी 5 रन बनाकर क्रीज पर हैं। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 390 रन बनाए थे। साउथ अफ्रीका की टीम 284 रन पर ऑलआउट हो गई। इस आधार पर ऑस्ट्रेलिया को 106 रन की बढ़त मिली थी।

रेनशॉ दूसरी पारी में भी अच्छी लय में- ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 137.2 ओवर में 390 रन बनाए थे। मैट रेनशॉ ने 397 गेंदों पर 190 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने 21 चौके और एक छक्का लगाया। कप्तान पैट कर्मिसन ने 98 गेंदों पर 43 रन बनाए, जबकि लाबुशेन ने 58 गेंदों पर 37 रन जोड़ें। मैट रेनशॉ दूसरी पारी में भी वह सकारात्मक अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे हैं। लंच तक उन्होंने 47 गेंदों पर 32 रन बनाए हैं, जिसमें 4 चौके शामिल हैं।

साउथ अफ्रीका की पहली पारी 284 रन पर सिमटी- साउथ अफ्रीका ने पहली पारी में 78 ओवर में 284 रन बनाए थे।



भारतीय कप्तान अख्यर ने जीत का श्रेय गेंदबाजों को दिया

कहा- हमारे प्लान विलयर थे, अभिषेक और प्रिंस की पारियां भी अहम रहीं

इंदौर (एजेंसी)। भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में मेहमान टीम को 14 रनों से मात दे दी. रविवार को इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेले गए मैच में टीम इंडिया ने पहले 223 रन बनाए और फिर वेस्टइंडीज को 20 ओवर में 209 रनों पर ही रोक दिया. जिसके साथ वो सीरीज में 2-1 से आगे निकल गए। मैच के बाद टीम इंडिया के कप्तान श्रेयस अख्यर ने अपने गेंदबाजों की साफ सोच और पक्के इरादों की तारीफ करते हुए कहा कि मैच में ओस ना पड़ने की वजह से गेंदबाज अपनी योजनाओं पर टिके रहे. जिसकी वजह से मैच में हमें जीत मिली. अर्शदीप ने मैच में कुल 3 विकेट चटकाए, डेथ ओवरों में उनके यॉर्कर सबसे खास थे. इसके अलावा कप्तान ने जीत की नींव रखने वाली बल्लेबाजी की भी तारीफ की, खासकर अभिषेक शर्मा के 69 रन, ईशान किशन के 37 रन और आखिर में प्रिंस यादव की 13 रन की छोटी की। अपनी गेंदबाजी और बल्लेबाजी की तारीफ करने के साथ-साथ अख्यर ने ये भी कहा कि वेस्टइंडीज जैसी टीम को आप कभी हल्के में नहीं ले सकते. इसलिए हम कभी भी लापरवाह नहीं हो सकते थे. ये मैदान हाई-स्कोरिंग था, लेकिन यह जरूरी है कि हम अपनी प्रक्रिया और रूटीन पर टिके रहें और आक्रामक बने रहें।



गेंदबाज और बेहतर कर सकते : **कप्तान शाई होप** - वहीं दूसरी तरफ मैच हारने वाले वेस्टइंडीज टीम के कप्तान शाई होप ने कहा कि गेंदबाज और बेहतर कर सकते थे. हमने कुछ बाउंड्रीज भी दीं. मेरा मानना ​​​​?है कि जिस तरह से हमने मैच में वापसी की, वह वाकई तारीफ के काबिल था. शुरूआत से ही, अगर आप अभिषेक और किशन की पाटनरशिप को देखें, तो वह बहुत खतरनाक थी, लेकिन रोस्टन की बदौलत हमें कुछ विकेट मिले और हमने मैच पर दोबारा पकड़ बनाई। उन्होंने यह भी माना कि टीम को बैटिंग ऑर्डर में मजबूत टॉप-3 बल्लेबाजों की जरूरत है, लेकिन वे इसके लिए एक या दो खिलाड़ियों को दोष नहीं देना चाहते थे. इसके अलावा इस मैच में ओस न

पड़ने का भी असर पड़ा. हमें लगा कि हमारी पारी के आखिर में गेंद थोड़ी ज्यादा रिविंग हो रही थी. लेकिन भारतीय गेंदबाजों को भी इसका श्रेय जाता है, उन्होंने बहुत अच्छी गेंदबाजी की और हमें दिखाया कि यॉर्कर कैसे फेंकते हैं। **सीरीज का चौथा मैच 14 अक्टूबर को** - दोनों टीमों के बीच सीरीज का चौथा मैच 14 अक्टूबर को हैदराबाद में खेला जाएगा. ये मैच दोनों ही टीमों के लिए अहम होगा, क्योंकि अगर इस मैच को भारत जीत जाता है तो वो सीरीज जीत जाएगा और अगर ये मैच मेहमान टीम जीतने में सफल होती है तो वो सीरीज बराबर करने में सफल हो जाएगा. जिसकी वजह से सीरीज का पांचवां और अंतिम मैच सीरीज डिसाइडर मैच बन जाएगा।

नमनधीर का शानदार प्रदर्शन, 2 विकेट लिए

मैच की बात करें तो टॉस हारकर भारत ने 20 ओवर में 10 विकेट पर 223 रन बनाए, जिसमें सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की 30 गेंद में पांच छक्कों और छह चौकों की मदद से 69 रनों की शानदार पारी शामिल है. इसके अलावा ईशान किशन (37 रन, 18 गेंद, छह चौके, एक छक्का) के साथ दूसरे विकेट के लिए 108 रन जोड़कर भारत को बड़े स्कोर की नींव रख दी थी. वेस्टइंडीज की तरफ से रोस्टन चेस, शमर जोसेफ और शमर सिंग्रार दो-दो विकेट लेने में सफल रहे, जबकि किमो पॉल और गुडाकेश मोटी को एक-एक मिला। भारत के 224 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 7 विकेट पर 209 रन ही बना सकी. जिसमें शिमरोन हेतमायर (43 रन, 26 गेंद, छह चौके, दो छक्के) और कामिल पुरन (42 रन, 27 गेंद, तीन छक्के, तीन चौके) की उम्दा पारियां शामिल थीं. इसके अलावा शमर सिंग्रार (11 गेंद में नाबाद 35, चार छक्के, दो चौके) ने अंत में तूफानी पारी खेली लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके. भारत की ओर से अर्शदीप ने 44 रन पर तीन जबकि नमन धीर ने 39 रन पर दो विकेट चटकाए।

पीवी सिंधु को डेनमार्क ओपन में कठिन ड्रॉ मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को डेनमार्क ओपन में कठिन ड्रॉ मिला है। मंगलवार से डेनमार्क के ओडेंस में शुरू होने जा रहे इस टूर्नामेंट में सिंधु का पहला मैच दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी और मौजूदा चैंपियन एन से-यंग से होगा। 2 बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट सिंधु एन के खिलाफ पिछले 10 मैच हार चुकी हैं। उनके अलावा, मेंस सिंगल्स में लक्ष्य सेन के सामने तीसरी वरीयता प्राप्त चाउ तिएन चैन की चुनौती होगी। सिंधु 2 दिन पहले आर्कटिक ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल से हारकर बाहर हो गई थीं।

सिंधु ने जुलाई में जापान ओपन जीता था - पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने जुलाई में जापान ओपन सुपर 750 का खिताब जीता था। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी थीं। सिंधु ने फाइनल मुकाबले में जापान की अल्वी फरहान से 21-17, 21-17 से हराया। यह मुकाबला करीब 50 मिनट तक

चला था। **लक्ष्य को चाउ से पार पाना होगा** - एशियाड में खराब प्रदर्शन के बाद लक्ष्य सेन अपनी फॉर्म हासिल करना चाहेंगे। पिछले 2 साल में उनका प्रदर्शन अप-डाउन होता रहा है। लक्ष्य इस साल दूसरी बार ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के उपविजेता रहे। 2022 में भी वे इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे थे। 2024 में ओलिंपिक सेमीफाइनल में पहुंचने वाले लक्ष्य भारत के इकलौते पुरुष सिंगल्स खिलाड़ी हैं। वे पीठ की चोट से परेशान रहे हैं। **आयुष और श्रीकांत भी मैदान में** - आयुष शेट्टी अपने शानदार प्रदर्शन को आगे बढ़ाना चाहेंगे। उन्होंने 2025 में यूएस ओपन सुपर 300 का खिताब जीता था। इस साल विश्व चैंपियनशिप में आयुष ने तत्कालीन दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी शी यूची को हराकर सुर्खियां बटोरी थीं। उनका सामना इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से होगा। विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में अल्वी ने आयुष को हराया



था। किदांबी श्रीकांत का मुकाबला फ्रांस के अनॉड मर्कल से होगा।

महिला सिंगल्स में पांच भारतीय - भारत की महिला सिंगल्स चुनौती में तान्ची शर्मा, अस्मिता चालिहा, देविका सिन्हा और उन्नति हूडा भी शामिल हैं। तान्ची का पहले दौर में जापान की नात्सुकी निदाइरा से मुकाबला होगा। उन्होंने अगस्त में तापे ओपन जीतकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीता था।

अस्मिता का सामना बुल्गारिया की कलियोना नलबांत्वा से होगा। अस्मिता भी अगस्त में कोरिया मास्टर्स सुपर 300 जीतकर टूर-लेवल चैंपियन बनी थीं। देविका के सामने थाईलैंड की आठवीं वरीयता प्राप्त पोनेंपावी चौचुवींग होंगी। उन्नति चीन की हान चियान शी के खिलाफ खेलेंगी।

साल्विक-चिराग से वापसी की उम्मीद - पुरुष डबल्स में पूर्व दुनिया की नंबर-1 जोड़ी साल्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी

वापसी करना चाहेंगे। एशियाई खेलों में यह जोड़ी पहले दौर में चौंकाने वाली हार के साथ बाहर हो गई थी। भारतीय जोड़ी ने मई में सिंगापूर ओपन सुपर 750 का खिताब जीता था। इससे उनका दो साल से चला आ रहा खिताबी सूखा खत्म हुआ था। इसके बाद उन्होंने पिछले महीने चाइना मास्टर्स का खिताब भी जीता। पांचवीं वरीयता प्राप्त साल्विक और चिराग का पहले दौर में चीन के हे जी तिंग और रेन शियांग यू से मुकाबला होगा।

ट्रैसा-गायत्री पर भी नजर - महिला डबल्स में ट्रैसा जाली और गायत्री गोपीचंद भारत की चुनौती की अगुआई करेंगी। इस जोड़ी ने अगस्त में विश्व चैंपियनशिप में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों में दोनों क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थीं। वहां उन्हें मलेशिया की पियली टैंग और थिनाह मुल्लीधरन ने हराया था। डेनमार्क ओपन में ट्रैसा और गायत्री का पहले दौर में चीनी ताईपे की यान फेंग चैन और ह्सिएह पेई शान से मुकाबला होगा।

पाकिस्तान टी-20 में अपना दूसरा 100 मीटर स्केटिंग में 12 वर्षीय बच्ची का कमाल

17.96 सेकंड में दूरी तय करके गिनीज बुक में बनाई जगह

श्रीलंका को 82 रन से हराया, सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बनाई

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान ने दूसरे टी-20 इंटरनेशनल में श्रीलंका को 82 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। श्रीलंकाई टीम घर से बाहर लगातार तीसरी टी-20 सीरीज हारी है। पाकिस्तान ने रविवार को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 215 रन बनाए। यह टी-20 इंटरनेशनल में पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। टीम का सर्वोच्च स्कोर 232/6 है, जो उसने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था। जवाब में श्रीलंका की टीम 20 और 4 चौकों की मदद से 73 रन बनाए। 15वें ओवर में दासुन शानाका की गेंद पर महेश तीक्ष्णा ने सीमा रेखा के पास उनका कैच पकड़ा।



और कप्तान साहिबजादा फरहान ने 73 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों को कैच छूटने का फायदा मिला। कैच छूटने का पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने उठाया फायदा श्रीलंका की खराब फील्डिंग का पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने पूरा फायदा उठाया। कप्तान साहिबजादा फरहान जब 11 रन पर थे, तब सिनेथ जयवर्धने ने उनका आसान कैच छोड़ दिया। इससे पहले विनुरा फर्नांडो के ओवर में महेश तीक्ष्णा ने भी उनका मुश्किल कैच टपकाया है. प्रसाद ने ये भी कहा, 'हम भविष्य में स्केटिंग में और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल करने के लिए अदिति का हौसला बढ़ाते रहेंगे. मैं उसे भारत का

मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। मुंबई की एक बारह साल की बच्ची ने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में जगह बनाई है. अदिति मांजरेकर ने 'इनलाइन स्केट्स बैकवर्ड केटेगरी' में सबसे तेज 100 मीटर की दूरी तय करके रिकॉर्ड बनाया. उसने यह कारनामा सिर्फ 17.96 सेकंड में कर दिखाया।

कड़ी मेहनत से मिली सफलता - पूर्वी मुंबई के उपनगर भांडुप में रहने वाले बच्ची के पिता, प्रसाद मांजरेकर ने मीडिया से खास बातचीत में बच्ची की सफलता का श्रेय अपनी बेटी की कड़ी मेहनत और लगन को दिया. उन्होंने कहा कि बच्ची ने रिकॉर्ड बनाने के लिए बहुत मेहनत की और कड़ी ट्रेनिंग ली. उसकी इस उपलब्धि से घर में खुशी का माहौल है. प्रसाद ने ये भी कहा, 'हम भविष्य में स्केटिंग में और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल करने के लिए अदिति का हौसला बढ़ाते रहेंगे. मैं उसे भारत का



प्रतिनिधित्व करते हुए देखना चाहता हूं।' वहीं अदिति ने कहा कि वह अपने माता-पिता और शिक्षकों के सहयोग से ही यह उपलब्धि हासिल कर पाई है. उसने कहा, 'मैंने जो हासिल किया है,

वह मेरे माता-पिता और शिक्षकों के सहयोग से ही संभव हो पाया है. मैं देश का नाम रोशन करना चाहती हूं. भविष्य में, मैं देश के लिए खेलना चाहती हूं।'

पिता एक कैफे चलाते हैं - ये भी उत्तेलखनीय है कि अदिति बहुत साधारण परिवार से आती है. उसके पिता एक कैफे चलाते हैं. उसने अपने कैफे के सामने ही एक स्केटिंग कोच से ट्रेनिंग ली. शुरू में उसके माता-पिता को लगा कि वह हार मान लेगी, उन्हें अंदाजा नहीं था कि वह इतनी लगन दिखाएंगी और रिकॉर्ड बनाएंगी. उसने हर दिन दो से ढाई घंटे प्रैक्टिस की और पिछले तीन सालों में 26 मेडल जीते।

अदिति ने इस खास लिस्ट में जगह बनाने के लिए कर्नाटक के बेलगाम में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए कोशिश की. प्रसाद ने कहा, 'उस समय हममें से कोई भी उसके साथ नहीं था. रिकॉर्ड बनाने में उसने जो दृढ़ संकल्प दिखाया, उस पर हमें सचमुच गर्व है।